फाल्गुन माह , कृष्ण पक्ष 21 वर्ष, अंक 39 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 03 मार्च 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

धमाकों से दहला यूक्रेन, भारी बमबारी

यूक्रेन पर रूस के हमले ने छीना भारत का एक और होनहार: यूक्रेन में दूसरे भारतीय छात्र की मौत, पंजाब के बरनाला जिले के रहने वाले चंदन जिंदल ने ब्रेन स्ट्रोक से दम तोड़ा

पश्चिमी देशों ने लगाए रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध

कीव: रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग तेज हो चुकी है। युद्ध बढ़ने के साथ ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ दुनियाभर के देशों का आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है। हमले के निर्णय को गलत बताते हुए अमेरिका समेत कई देशों ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। अब इन प्रतिबंधों का असर भी दिखाई देने लगा है। रूसी मुद्रा रूबल धराशायी हो चुकी है, बाजारों में हाहाकार मचा है, बैंकों फॉरेन रिजर्व पर रोक लग चुकी है और देश के बड़े बैंकों की हालत पस्त हो चुकी है। इस बीच एपल और नाइकी जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी रूस को जोरदार झटका दिया है। ऐसे में ये कहना गलत न होगा कि युक्रेन से युद्ध रूस पर भारी पड़ रहा है।

एपल ने उठाया बड़ा कदम: अमेरिकी टेक दिग्गज और दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एपल ने एक बड़ा कदम उठाते हुए रूस में अपने सभी उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही एपल ने अन्य सेवाओं को भी सीमित कर दिया है। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अस्त्रस्त्री क्लू. ने यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस में आईफोन और उसके अन्य ज्यादातर उत्पादों की बिक्री को रोक दिया है। एपल ने जोर देकर कहा कि कंपनी उन सभी लोगों के साथ है जो हिंसा से पीड़ित हैं। यही कारण है कि देश के 14.5 करोड़ लोगों वाले देश में अपनी सेवाएं तत्काल प्रभाव से बंद कर दी हैं।

एपल की राह पर आगे बढ़ा नाइकी: एपल की ओर से रूस में उत्पादों की बिक्री पर रोक और अन्य सेवाओं पर प्रतिबंध के बाद कंपनी के शेयर सत्र के निचले स्तर पर आ गए। इस फैसले के बाद हालांकि, कंपनी के शेयर 1.2 फीसदी टूटकर 163.20 डॉलर पर बंद हुए। एपल के साथ एथलेटिकवियर निमार्ता नाइकी ने भी उसकी राह पर कदम आगे बढ़ाते हुए रूस में अपने उत्पाद की बिक्री को रोकने की घोषणा कर दी। दुनिया की इन दो बड़ी कंपनियों की ओर से उठाए गए इस कदम को रूस के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

लंबे समय में दिखेगा प्रतिबंधों का असर: गौरतलब है कि यूक्रेन पर हमला शुरू होने के बाद एक के बाद एक अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान सहित कई देशों ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं।

छह दिन में मारे छह हजार रूसी सैनिक: यूक्रेन

कीव/टीम एक्शन इंडिया

यूक्रेन पर रूस के हमले के सातवें दिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने यूक्रेन की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यूक्रेन की सेना ने छह दिन में छह हजार से ज्यादा रूसी सैनिकों को मार गिराया है। रूस के हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की लगातार डटे हुए हैं। हमले के सातवें दिन बुधवार को उन्होंने कहा कि रूस चाहे जितनी कोशिश कर ले, वह यूक्रेन पर बम और हवाई हमलों के जरिये कब्जा नहीं कर पाएगा। छह दिन में छह हजार रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं। बाबिनयार पर रूस के हमले का जिक्र करते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि यहां किया गया हमला साबित करता है कि रूस में कई लोगों के लिए हमारा कीव बिल्कुल विदेशी हिस्से की तरह है। उन्होंने कहा, इन लोगों को कीव के बारे में कुछ भी नहीं मालूम है। इन्हें हमारे इतिहास की जानकारी नहीं है। इन लोगों को सिर्फ आदेश है कि ये हमारे इतिहास, हमारे देश और हम सब को मिटाएं, किन्तु ये ऐसा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें जनता पर भरोसा है। हॉलीवुड स्टार्स से लेकर राजनीतिकों तक पूरी दुनिया यूक्रेन के लोगों की प्रशंसा कर रही है। आज यूक्रेनी लोग अजेयता के प्रतीक बन गए हैं। वह प्रतीक जिससे किसी भी देश के लोग किसी भी पल धरती पर सबसे अच्छे लोग बन जाते हैं। रूस के नुकसान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, संख्या के बारे में सोचिये। कम से कम छह हजार रूसी मारे जा चुके हैं, वह भी यूक्रेन को पाने के लिए, जो असंभव है। हम अपनी जमीन पर हैं और मिसाइलों, बमों, टैंकों और हवाई हमलों से कुछ भी नहीं बदलेगा। इस बीच यूक्रेन की सेना ने 2 मार्च की सुबह 9 बजे तक रूसी सेना के नुकसान के आंकड़े जारी किए हैं। उसमें 5840 सैनिकों की मौत का दावा किया गया है। साथ ही 30 हवाई जहाज, 31 हेलीकाप्टर और 211 टैंक उड़ाने का दावा भी किया गया है।

कीव: यूक्रेन पर रूसी हमला बुधवार को सातवें दिन भी जारी रहा। खार्किव समेत कई प्रमुख शहरों में लगातार हमले हो रहे हैं। यहां 24 घंटे में हुए हमलों में 21 लोग मारे गए, 112 घायल हो गए। आज सुबह रूसी पैराट्रूपर्स ने खार्किव में एक अस्पताल पर हमला किया। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि जंग में अब तक लगभग 6000 रूसी सैनिक मारे गए हैं। रूस खेर्सोन पर कब्जा करने का दावा कर रहा है। यूक्रेन से दूसरे भारतीय की भी मौत की खबर आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चंदन जिंदल (22) विनिस्तिया की मेमोरियल मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। उनकी तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें विनिस्तिया के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि ब्रेन स्ट्रोक के चलते उनकी जान चली गई। उन्होंने बुधवार को दम तोड़ दिया। चंदन जिंदल पंजाब के बरनाला जिले के रहने वाले थे।

थर्ल्ड वर्ल्ड वॉर की धमकी: रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को इशारों ही इशारों में तीसरे विश्व युद्ध की धमकी दे डाली। कहा- अगर थर्ड वर्ल्ड वॉर होता है तो इसके नतीजे बेहद खौफनाक होंगे और इसमें एटमी हथियारों का इस्तेमाल भी खुलकर होगा। हमने पहले ही साफ कर दिया है कि यूक्रेन को न्यूक्लियर वेपंस हासिल नहीं करने देंगे। जो जंग चल रही है, उसके जिम्मेदार अमेरिका और पश्चिमी देश हैं। उन्होंने रूस से किए गए वादे पूरे नहीं किए। यूक्रेन शुरू से अमेरिका के इशारों पर नाच रहा हैबातचीत से पहले जेलेंस्की ने कहा कि जब तक यूक्रेन के शहरों पर रूसी हमला जारी रहेगा, तब तक शांति की कोई गुंजाइश नहीं है।

यूक्रेन के राजदूत ने किया मुगलों और राजपूतों का जिक्र, ओवैसी का पलटवार: यूक्रेन युद्ध के बीच भारत में यूक्रेन के राजदूत डॉ. इगोर पोलिखा कहा- यूक्रेन में जो हो रहा है वह मुगलों द्वारा राजपूतों के खिलाफ किए गए नरसंहार की तरह है। ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहाद-उल-मुसलमीन के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- आपका बयान यूक्रेन में जो हो रहा है, उसे गलत तरीके से पेश करने के साथ इस्लामोफोबिया का प्रतीक है।

छह महीने के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बेरोजगारी

जनवरी में बेरोजगारी दर 8.1% पर पहुंची, गांवों में शहरों में ज्यादा हालत खराब

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

फरवरी में भारत की बेरोजगारी दर बढ़कर 8.1% के छह महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो जनवरी में 10 महीने के निचले स्तर 6.57% पर आ गई। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में बेरोजगारी दर पिछले महीने 8.1% थी।

पिछले महीने गांवों में बेरोजगारी 8 महीने के रिकॉर्ड स्तर पर थी। आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2022 में गांवों में जॉबलेसनेस (बेरोजगारी) 2.51% बढ़कर 8.35% पर पहुंच गई। हालांकि इसके विपरीत शहरों में बेरोजगारी दर पिछले महीने 7.55% रही जो चार महीने का निचला स्तर है।

शहरों में रिकवरी लेकिन मनरेगा बजट में कमी से गांवों में बढ़ी बेरोजगारी: लेबर सेक्टर के एक्सपर्ट्स का कहना है कि लॉकडाउन रिस्ट्रिक्शंस में ढील और फॉर्मल व इनफॉर्मल दोनों सेक्टर में तेज रिकवरी की वजह से शहरों में बेरोजगारी दर कम हो रही है। शहरों की बेरोजगारी दर नवंबर 2021 में 8.2%, दिसंबर 2021 में 9.3%, जनवरी 2022 में 8.16% और फरवरी 2022 में 7.55% पर रही। एक्स्पर्ट्स के अनुसार कुछ राज्यों के मनरेगा बजट में कमी और गांवों में गैर-कृषि क्षेत्र में नए रोजगार की सीमित उपलब्धता के चलते गांवों में बेरोजगारी दर में उछाल रही और यह फरवरी में आठ महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

यूक्रेन से नागरिकों को घर लाने के लिए भारत कोई कसर नहीं छोड़ेगा :मोदी

सोनभद्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युद्धरत यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी को भारत की बढ़ती शक्ति का प्रमाण बताते हुये देशवासियों को आश्वस्त किया कि यूक्रेन से अपने नागरिकों को घर लाने के लिए भारत कोई कसर नहीं छोड़ेगा। वरिष्ठ भाजपा नेता और प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को उप्र के सोनभद्र में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुये कहा कि सशस्त्र बलों की वीरता और 'मेक इन इंडिया' पर सवाल उठाने वाले देश को मजबूत नहीं बना सकते। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुये कहा कि वंशवादी नेताओं ने भारत को हर कदम पर नीचा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

देश में नालसा के सहयोग से जल्द शुरू होगी नारी अदालत

नई दिल्ली: राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) के सहयोग से देश में जल्द नारी अदालत की शुरूआत की जाएगी। गुजरात मॉडल पर आधारित नारी अदालत अभी पायलट परियोजना के तौर पर शुरू की जाएगी। बुधवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह समारोह के मौके पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि नालसा की मदद से नारी अदालत शुरू की जाएगी।

महिला एंव बाल विकास मंत्रालय तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के।

25 रुपए तक महंगे हो सकते हैं पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली: रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से कच्चा तेल भड़क उठा है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) के भाव बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गए हैं। इस बीच अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने दुनिया में एनर्जी संकट बढ़ने की चेतावनी दी है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस से कच्चे तेल की सप्लाई पर असर पड़ा। जिससे क्रूड के भाव 2014 के बाद सबसे ऊंचाई पर पहुंच गए। इससे आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम 25 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ सकते हैं। ग्लोबल एग्रीमेंट के अनुसार कच्चे तेल की सप्लाई नहीं हो पा रही है। जापान, अमेरिका सहित सदस्यों ने अपने रिजर्व में से 6 करोड़ बैरल तेल जारी करने की तैयारी की है, लेकिन यह एक दिन के तेल खपत से भी कम है। ऐसे में आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमत और बढ़ सकती है। अमेरिका ने अपने ऑइल रिजर्व में से 3 करोड़ बैरल तेल बाजार में जारी किया है। हालांकि, जिस तरह दुनियाभर में तेल की खतप बढ़ रही, रिजर्व में रखे तेल इसके लिए काफी नहीं होंगे।

आर्यन के ड्रग रैकेट में शामिल होने के सबूत नहीं

क्रूज केस में एसआईटी रिपोर्ट में खुलासा, सवालों के घेरे में एनसीबी डायरेक्टर समीर वानखेड़े

मुंबई: बॉलीवुड के सबसे चर्चित यानी कॉर्डेलिया क्रूज ड्रग्स केस में एक बड़ा खुलासा हुआ है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की एसआईट को इस बात के कोई सबूत नहीं मिले हैं कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ड्रग्स के अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी सिंडिकेट का हिस्सा थे। सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि आर्यन के ड्रग्स की किसी साजिश में शामिल होने के प्रूफ भी नहीं मिले हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद शुरूआत में इन्वेस्टिगेशन को लीड करने वाले एनसीबी डायरेक्टर समीर वानखेड़े भी सवालों के घेरे में हैं। एसआईटी जांच के दौरान क्रूज पर हुई छापेमारी की कार्रवाई में भी कई अनियमितताएं मिली हैं। इस एसआईटी का गठन कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक द्वारा एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े पर लगाए आरोपों के बाद किया गया था।

अभी पूरी नहीं हुई है जांच: हालांकि, एसआईटी जांच अभी पूरी नहीं हुई है और एनसीबी के महानिदेशक एस एन प्रधान को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने में कुछ महीने लग सकते हैं। फाइनल रिपोर्ट को पेश करने से पहले कानूनी राय ली जाएगी, विशेष रूप से इस पहलू पर कि क्या आर्यन खान पर कंजप्शन के आरोप लगाया जा सकता है।

अब दूसरी बच्ची के जन्म पर भी मिलेगा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में बालिका शिशु को प्रोत्साहन देने के लिए अब दूसरी बच्ची के जन्म पर भी इस योजना का लाभ लिया जा सकेगा। इस योजना में तीन किस्तों में महिलाओं को 6000 रुपये की सहायता दी जाती है। प्रधानमंत्री ने 17 जनवरी 2017 को यह योजना शुरू की थी। अब मंत्रालय ने योजना में बदलाव किया है। अब गर्भवती और स्तनपान कराने वाली मां एक बार और इस योजना का लाभ ले सकती है। इसके लिए दूसरी संतान का बालिका होना अनिवार्य है। केंद्र सरकार ने यह कदम बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए उठाया है। नया नियम आगामी 1 अप्रैल से लागू होगा। सरकार ने अपनी सभी योजनाओं को एकीकृत कर दिया है। 1 अप्रैल से सरकार की सभी योजनाएं मिशन शक्ति, मिशन वत्सल, सक्षम आंगनवाड़ी के नाम से नए कलेवर के साथ लागू होंगी। इस योजना के बारे में जानकारी देते हुए महिला एवं बाल विकास के सचिव इंदीवर पांडे ने बताया कि संशोधन करके योजना को अधिक प्रभावी और सक्षम बनाया गया है।

रूस-यूक्रेन में जंग, भारत में खौफ का माहौल

स्टूडेंट की मौत के बाद छात्रों की जिंदगी को लेकर जद्दोजहद जारी

खन्ना (लुधियाना): रूस और यूक्रेन में चल रही जंग का खौफ भारतीय छात्रों और भारत में उनके परिजनों को सता रहा है। यूक्रेन के शहर खारकीव में गोलाबारी निरंतर जारी है और कई भारतीय छात्र वहां फंसे हुए हैं। गोलीबारी में एक भारतीय छात्र की मौत के बाद वहां फंसे छात्रों और उनके परिजनों में और ज्यादा खौफ का माहौल पैदा हो गया है। घर वापसी की उम्मीद के साथ छात्र जान बचाने की जद्दोजहद में भी लगे हैं। जमा देने वाली ठंड में भी सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय करके छात्र बॉर्डर तक पहुंचने की कोशिश में जुटे हैं। रोमानिया की सीमा पर हजारों छात्र पहुंचें, मगर छात्र भूख प्यास और पैसों की कमी के साथ ठंड से भी लड़ाई लड़ रहे हैं।

परिजन फोन पर बंधा रहे हिम्मत: लुधियाना के बीआरएस नगर में रहने वाले डॉक्टर एमआई सद्दगी के बेटे मोहम्मद जैद सद्दगी एमबीबीएस की पढ़ाई करने एवेनो सिटी के एवेनो फ्रैंकइवीक नैशनल मेडिकल कॉलेज यूनिवर्सिटी में गए थे। जंग शुरू होने के कारण 5 दिन तक यूनिवर्सिटी हॉस्टल के बंकर में भूख और प्यास से लगातार जूझते रहे।जान बचाने के लिए जैद और उनके दोस्तों ने हिम्मत बांधी और माइनस 4 डिग्री सेल्सियस तापमान में पैदल ही चल दिए। रविवार की रात को चलते-चलते वह रोमानिया की सीमा के रास्ते पर पहुंचे और 2 दिन पैदल चलने के बाद रोमानिया की सीमा पर पहुंचे।

यूक्रेन से आपरेशन गंगा के तहत 3,352 भारतीय स्वदेश लौटे

नई दिल्ली: विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यूक्रेन में जारी युद्ध के दौरान वहां से अब तक 3,352 भारतीय नागरिक और छात्र स्वदेश लौट आये हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बुधवार को बताया कि उनका अनुमान है कि 17 हजार भारतीय यूक्रेन छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि आपरेशन गंगा के तहत अब तक 15 उड़ानों के जरिए 3,352 भारतीय नागरिक और छात्र स्वदेश आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि आपरेशन गंगा के तहत उड़ानें तेजी से बढ़ाई जा रही हैं। भारतीय वायु सेना का विमान सी-17 बुखारेस्ट (रोमानिया) से आपरेशन गंगा में शामिल हो गया है। इस विमान की आज रात में दिल्ली लौटने की उम्मीद है। बुडापेस्ट (हंगरी), बुखारेस्ट (रोमानिया) और पोलैंड से आज तीन और भारतीय वायुसेना की उड़ानें शुरू की जाएंगी। प्रवक्ता ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के शहरों में हालात चिंताजनक हैं। यूक्रेन में फंसे भारतीयों के लिए हम रूस के साथ भी संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि रूस से मिली जानकारी के आधार पर भारतीय दूतावास ने यूक्रेन में अपने नागरिकों को एडवायजरी जारी कर जल्द से जल्द खार्किव से बाहर जाने के लिए कहा है। एडवायजरी में कहा गया है कि भारतीय नागरिक और छात्र जल्द से जल्द खार्किव छोड़कर निकल जायें। बागची ने कहा कि हम अपनी टीम के पूर्वी यूक्रेन तक पहुंचने के लिए सभी विकल्प तलाश रहे हैं। यूक्रेन में दवा, उपकरण, सोलर लैंप, टेंट के रूप में मानवीय सहायता भेजी जा रही है।

खबर संक्षेप

प्रभाकर को मिला संत गाडगे बाबा सम्मान

कोरांव। प्रतिदिन कुछ नया सीखने की चाह में ऋषि कुमार प्रभाकर ,साहित्य के क्षेत्र में दिन प्रतिदिन अपनी कलम से साहित्य में योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। बताते चलें कि ऋषि कुमार प्रभाकर अनेकानेक साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। इसी क्रम में पुनः एक बार "समतावादी कलमकार शोध साहित्य संस्थान भारत" के द्वारा तीन दिवसीय आयोजन में प्रतिभाग किये थे यह कार्यक्रम आनलाईन था,संत गाडगे जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में किया गया थो जिसमें देश के प्रतिष्ठित अनेकानेक कलमकारों ने भाग लियो इसी के साथ ऋषि कुमार प्रभाकर को भी "संत गाडगे बाबा सम्मान" से सम्मान पत्र से विभूषित किया गया, प्रभाकर खजुरी कोरांव प्रयागराज के निवासी हैं।

बाइक सवार बदमाशों ने अधेड़ को मारी गोली, मौत

पुत्र के साथ बाइक से डीजल लेने जा रहा था कटहरा, नकाबपोशों ने दिया घटना को अंजाम

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। पुत्र के साथ बाइक से जा रहे अधेड़ की नकाबपोश बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बाइक चला रहा बेटा जब तक कुछ समझ पाता तब तक उसके पिता की मौत हो चुकी थी। उतरांव थाना क्षेत्र के मैराडारा गांव निवासी अशोक भारतीय 44 पुत्र राम सिंह ट्रैक्टर चला कर अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करता था। बुधवार दोपहर लगभग 2 बजे वह अपने बेटे गुड्डू के साथ डीजल लेने के लिए कटहरा गया था। डीजल लेकर वह अभी उतराव थाना क्षेत्र के रेहथु पुलिया के पास ही पहुंचा ही था कि पीछे से अपाचे गाड़ी से नकाबपोश बदमाशों ने मोटरसाइकिल पर बैठे अशोक भारती को गोली मार दी। बदमाश गोली मारकर तमंचा वहीं फेंककर कटहरा की तरफ भाग गए। गोली लगने से अशोक मौके पर ही गिर गया। बेटा जब तक कुछ समझ पाता खून से लथपथ अशोक की मौत हो गई। सूचना पर एसपी गंगापार अभिषेक अग्रवाल कई थानों की फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उक्त गांव के लोगों से रंजिश चल रही थी। जिसके संबंध में एससी/एसटी का मुकदमा भी दर्ज है। आरोप है कि विपक्षी लगातार समझौते का दबाव बना रहे थे। समझौता न करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी मिली थी। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। मृतक के चार बेटे गुड्डू ,सनी रोशन, आकाश व दो बेटियां हैं। वही मृतक अशोक भारती की मौत से पत्नी प्रभावती देवी तथा माता सुनीता देवी समेत परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।पुलिस इस मामले में संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जांच में जुट गई।

घटना के बाद घर लगी लोगों की भीड़ व मृतक की मौत पर रोते-बिलखते परिजन तथा इन्सेट में मृतक की फाइल फोटो

न्यूज झरोखा

श्रीमद्भागवत कथा परमात्मा का अक्षर स्वरूप है : यशोदानंद महाराज

जंघई। जंघई बाजार में श्रीमद्भागवतकथा का बुधवार से शुभारंभ किया गया। प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई। बैंड बाजे के साथ शुरू हुई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया। कलश यात्रा में महिलाएं मिट्टी के कलश सिर पर रखकर कलश यात्रा में मंगल गीत गाते हुए शामिल हुईं। कलश यात्रा में हांथी, डीजे, रथ आदि के साथ सैकड़ों पुरुष बच्चे, महिलाएं ने गाजे बाजे के साथ पूरी जंघई बाजार की परिक्रमा करते हुए कथा स्थल पर पहुंचें। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के राधे-राधे, जय श्रीराम, हर हर महादेव के जयघोष से माहौल भक्ति के रस में डूबा रहा। कथा स्थल पहुंचने के बाद पुरोहितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलशों की स्थापना कराई गई। व्यास पीठ पर बैठने के बाद कथा व्यास यशोदानंद महाराज के द्वारा भागवत कथा का गणेश जी महाराज और हनुमान जी महाराज की उपासना की। कथा वाचक पहले दिन भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि मृत्यु को जानने से मृत्यु का भय मन से मिट जाता है।इस अवसर पर मुख्य बांकेलाल जायसवाल, धर्मशीला जायसवाल, हरिश्चंद्र जायसवाल, गुलाब जायसवाल, सुभाष चंद्र जायसवाल, शिवचंद्र जायसवाल, मनोज जायसवाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

युक्रेन में फंसा मेडिकल छात्र सकुशल लौटा अपने घर , खुशी की लहर

क्षेत्र के जंघई बाजार निवासी एमबीबीएस की पढ़ाई करने गया था विदेश

अखंड भारत संदेश

जंघई। क्षेत्र के जंघई बाजार निवासी एमबीबीएस का छात्र सकुशल घर वापस आ गया उसके घर पहुंचते ही परिजन खुश हो गये। जंघई बाजार निवासी अशोक कुमार उमरवैश्य का बेटा विशाल उमरवैश्य एमबीबीएस की पढाई के लिए 10 अक्टूबर 2018 को युक्रेन गया था। इन दिनों रुस द्वारा उक्रेन पर हमला के बाद काफी छात्र वहा फंसे थे। उसी मे जंघई का विशाल भी था आज वह जंघई पहुंच गया उसके घर पहुंचने पर परिजनो मे खुशी है माता आशा देवी का खुशी का ठिकाना नही है वह काफी दिन से परेशान थी। विशाल ने बताया की 24 फरवरी को जब धमाका हुआ तो हर बिल्डिंग के नीचे बंकर मे छुप कर वह साथियों सहीत रह रहा था युनिवर्सिटी ने कोई मदद नही की युनिवर्सिटी ने कहा जब एम्बेन्सी ने बोला था तब क्यो नही गये उन्होंने कहा की वह उक्रेन से रोमानिया तक अपने खर्चे से पहुंचा फिर वहा से भारत सरकार द्वारा एअर इण्डिया की एअर लाइन्स ले दिल्ली ले आया उसके बाद यूपी सरकार ने प्रयागराज तक पहुंचाया जहा से वह घर पहुच पाया।

वतन वापसी के बाद विशाल उमरवैश्य अपने घर पर परिवार संग खुशी बांटते

हर्ष फायरिंग के वीडियो वायरल में दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज पुलिस दे रही दबिश

हनुमानगंज। हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल के मामले में सराय इनायत पुलिस ने मंगलवार की रात हल्का दरोगा सालिक राम की तहरीर पर दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया है। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। दो दिन पूर्व हर्ष फायरिंग का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस हरकत मे पड़गई। वीडियो मे एक शादी समारोह मे दो युवक तमंचे से फायर करते नजर आरहे हैं। जिसका वीडियो वायरल होते ही पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर दी। मंगलवार की देर रात सराय इनायत पुलिस ने गौरव यादव पुत्र सुरेश यादव निवासी तिवारीपुर थाना थरवई व अनुज यादव पुत्र स्व0 धर्मराज निवासी चकिया कटियारी के विरुद्ध अबैधानिक कृत्यों से जनता के बीच मे दहशत भय ब्यास करना सहित मामला दर्ज किया गया। थाना अध्यक्ष सुशील कुमार दुबे ने बताया कि हबूसा मोड़ स्थित कमला गेस्ट हाउस में एक शादी समारोह में दोनों युवकों ने हर्ष फायरिंग किया था। वीडियो एक साल पूर्व का बताया जारहा है।जिसमें सूत्रों द्वारा पहचान करा ऋकर उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्द ही गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेजा जाएगा। गेस्ट हाउस मालिक थाने मे चौकीदार है आरोपित गौरव का नाना है।

गर्भ निरोधक इंजेक्शन सेंटर का प्रधान पति ने किया उद्घाटन, महिलाओं में दिखा उत्साह

अखंड भारत संदेश

सोरांव। स्वास्थ्य विभाग की महत्वाकांक्षी योजना गर्भ निरोधक अंतरा इंजेक्शन का महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है। इतना ही नही परिवार नियोजन को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अंतरा छाया इंजेक्शन पर बहुत जोर दे रही है। तथा महिलाओं के लिए यह इंजेक्शन रामबाण साबित भी हो रहा है। इसी को लेकर बुधवार को ग्राम सभा बाहर सराय के प्रधान पति गन्नू मौर्य ने हाजीगंज स्थित उप केंद्र पर अंतरा छाया इंजेक्शन कक्ष का फीता काट कर भव्य उद्घाटन किए। तथा पहले ही दिन 5 महिलाओं ने अंतरा इंजेक्शन भी लगवाई।स्वास्थ्य विभाग की गाइड लाइन के अनुसार अंतरा इंजेक्शन उन महिलाओं को लगाया जाता है। जिनके पास एक बच्चे हो। और आगे कुछ समय तक बच्चा ना पैदा करना चाहती हों। तथा यह इंजेक्शन 49 साल तक की महिलाओं को ही लगाया जाता है। यह इंजेक्शन लगवाने से महिलाए जब तक चाहे तब तक गर्भवती नही हो सकती है। उक्त इंजेक्शन प्रत्येक 3 महीनो में महिलाओं को एक बार और एक वर्ष में 4 बार लगवाना पड़ता है। जिससे गर्भ धारण से छुटकारा मिल जाता है।

अंतरा इंजेक्शन कक्ष का फीता काटकर उद्घाटन करते राम गणेश मौर्य

इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर विजय कुमार पाठक, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी विजय कुमार मौर्य,डॉक्टर अनिल कुमार द्विवेदी, सीएचओ सत्यमा गौतम, सहित समस्त आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ती मौजूद रहीं।

दो अलग अलग गांवों में मार पीट मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा के दो अलग अलग गांवों में मार पीट के दौरान कई घायल हुए हैं । पुलिस ने दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता मजगवां निवासनीय धनराजी देवी पत्नी राम अवध का आरोप है कि पडोसी अनायास उसे मारे पीटे तथा घायल कर दिए। धनराजी देवी ने मऊआइमा थाने में रामसजीवन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है । उधर ग्राम अलावलपुर निवासी विजय बहादुर पुत्र भुवर का आरोप है कि उसे मामूली बात पर मारा पीटा गया। विजय बहादुर ने मऊआइमा थाने में गोरेलाल ,रामपूजन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

3 से 9 मार्च तक लगेगा एनएसएस का विशेष शिविर

लेडियारी। तहसील मेजा के शिवपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसकी जानकारी बलराम पीजी कॉलेज के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि तीन मार्च से नौ मार्च तक उक्त गांव में चलाए जाने वाले शिविर में स्वच्छता अभियान, महिला सशक्तिकरण, स्वयं सुरक्षा, पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाए कार्यक्रम प्रभारी डॉ बी.पी.सिंह ने कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोगों को पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील भी किया।

वार्षिक एथलेटिक मीट 2022 का भव्य उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बुधवार को पांचवीं वार्षिक एथलेटिक मीट 2022 का उद्घाटन माननीय कुलपति मोस्ट.रेव.प्रो डॉ आर.बी लाल ने किया अपने संबोधन में उन्होंने सभी खिलाड़ियों से अपील की वह खेल खेलने की मयार्दा बनाए रखने के साथआपसी सौहार्द भी बनाए रखे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय कुलपति ने खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य और उन्हें चोटों से बचाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और उन्होंने विश्वविद्यालय के जनरल कैप्टन बुद्धू मधु को अग्नि प्रज्वलित करने के लिए मशाल सौंपी। मुख्य अतिथि द्वारा आकाश में शांति के प्रतीक सफेद कबूतर को भी छोड़ा।उन्होंने यूक्रेन की लड़ाई की त्रासदी में मारे गए लोगों के लिए भी प्रार्थना की और सभी से दो मिनट का मौन रखने को कहा। एथलेटिक मीट के उद्घाटन सत्र के दौरान एथलेटिक कमेटी के अध्यक्ष डॉ.इंजीनियर सी.जे. वेसली ने अपने संबोधन के दौरान सभी अधिकारियों का स्वागत किया। यह स्पोर्ट्स मीट 2 और 3 मार्च 2022 तक जारी रहेगा। प्रो वीसी. (प्रशासन) प्रो डॉ एस बी लाल प्रोफेसर डॉ ईआर जोनाथन ए लाल, प्रोफेसर डॉ पीजे जॉर्ज, प्रोफेसर डॉ आरिफ ए ब्रॉडवे, प्रोफेसर डॉ टेरेंस थॉमस, डॉ आशीष एस नोएल और एथलेटिक कमेटी के कोर कमेटी के सदस्य डॉ देवराज बडगू, डॉ समाला एस मसीह, डॉ प्रियंका, डॉ विक्रम, फादर यशब कुमार, डॉ इद्रेश बी राजवाड़े, डॉ मनीष रॉय तुर्की, अजय कुमार, । आशीष मैसी, अशोक कुमार सिंह, अचिंत टेरेंस, डॉ श्रीमती दीप्ति जोशी, राकेश साहू, मोहम्मद मजीद, आरके सिंह, डॉ फैजान अहमद और शुआट्स संकाय के सभी कर्मचारी डॉ। मोहित कमलेश, डॉ विकास कुमार, सुश्री अनीशा हेनरी, डॉ निशा चाको, डॉ देवी सिंह, डॉ एनिड मसीह, डॉ एसजीएम प्रसाद, डॉ समीर डैनियल, डॉ मोहम्मद तारिक, डॉ प्रद्युमन एस लखावत, श्रीमती मुदिता श्रीवास्तव, डॉ रोनाल्ड वी मणि, डॉ एसएच कासिम, डॉ दीपक बोस, डॉ नीलम खरे, आमिर आबिदी, बिपिन कुमार सिंह, डॉ संतोष के श्रीवास्तव, डॉ राम भरोसा, डॉ। इस दौरान शारीरिक शिक्षा विभाग के साथ प्रसूब पॉल डिसूजा, डॉ. हैरिसन मसीह, डॉ विजय बहादुर, डॉ सतेंद्र नाथ, डॉ अभिषेक जेम्स, शैलेंद्र, डॉ अनामिका दास, आरके सिंह, बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे। वार्षिक एथलेटिक मीट 2022 का उद्घाटन सत्र। डॉ.आईआर के नेतृत्व में खेल की पूरी बैठक आयोजित की जा रही है। सीजे वेस्ले अध्यक्ष एथलेटिक कमेटी शुआत्स और डॉ सुनीता बी जॉन सचिव एथलेटिक कमेटी और विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा शुआत। शारीरिक शिक्षा के सभी कर्मचारियों और छात्रों ने बहुत समर्थन और प्रस्तुत किया है। आयोजनों के परिणाम इस प्रकार हैं:- (1).100 मीटर बाधा दौड़ में महिला-प्रथम स्थान (आद्या मिश्रा), दूसरा स्थान (हर्शिता नारायण), तीसरा स्थान (दिति कुमारी)।(2).1500 मीटर महिला दौड़-पहला स्थान (शालू सिंह), दूसरा स्थान (अंकिता रेजिना एक्का), तीसरा स्थान (प्रिया मिश्रा) (3)। भाला फेंक महिला- पहला स्थान (मुस्कान जांगिड़), दूसरा स्थान (नूर बानो), तीसरा स्थान (अन्नू कुमारी)। (4) .1500 मीटर पुरुष दौड़-प्रथम स्थान (विपी कुमार मिश्रा), दूसरा स्थान (क्रांति कुमार वेगिरेड), तीसरा स्थान (तोमांडू नवीन)।

कार्यक्रम के दौरान सलामी लेते डॉ आर.बी लाल

इतिहास एवं साहित्य के परिप्रेक्ष्य में श्रृंगवेरपुर में आयोजित की गई राष्ट्रीय संगोष्ठी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी उ0प्र0, प्रयागराज के तत्वावधान में 02 मार्च 2022, बुधवार अपराह्न 2:00 बजे एकेडेमी स्थित गाँधी सभागार में ह्यइतिहास एवं साहित्य के परिप्रेक्ष्य में श्रृंगवेरपुरह्न विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में एकेडेमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह ने आमंत्रित अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न और शॉल देकर किया। इस अवसर पर डॉ. भृगु कुमार मिश्र की पुस्तक ह्य श्रृंगवेरपुर क्षेत्रीय हिन्दी साहित्य : परम्परा और प्रदेयह्न का विमोचन मचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए हिन्दुस्तानी एकेडेमी के अध्यक्ष डॉ. उदय प्रताप सिंह ने कहा किह्य हमारा देश बहुत समय तक गुलाम रहा है अतः आज भी हम अपने साहित्य और इतिहास को यूरोपीय दृष्टि से देखना चाहते हैं। हम अपने नजरिए से इसे नहीं देख पाते। हमारा इतिहास कोई अलग से नहीं पढ़ाया जाता था वह साहित्य में ही समाहित था। पुराण ही हमारा इतिहास है। मार्क्सवाद धर्म को अफीम कहता है पर हम धर्म को संजीवनी कहते हैं। हम दूसरे के अनुकरण पर चलते हैं। हम अपने अंदर के इतिहास, संस्कृति को नहीं समझ पाते हैं। हमारी ह्यमहाभारतह्न में, रामायण में हमारा इतिहास छुपा है। इन कथाओं में श्रृंगवेरपुर का वर्णन मिलता हैह्न। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि चंडीगढ़ से आये प्रो. जय प्रकाश ने ह्यइतिहास एवं साहित्य के परिप्रेक्ष्य में श्रृंगवेरपुरह्न पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ह्य प्रायः स्थान व्यक्ति के संबंध से महत्वपूर्ण हो जाता है। श्रृंगवेरपुर का सौभाग्य दोहरा-तिहरा है। श्रृंगी ऋषि भगवान रामानुज सहित सीता-राम तथा निषादराज गुह के संपर्क से श्रृंगवेर तीर्थ ही नहीं महातीर्थ बन गया है। इस क्षेत्र की पवित्रता और उर्जा के प्रभाव से यहाँ श्रेष्ठ साहित्य की सर्जना का होना स्वाभाविक ही था और हो रहा है। भृगु कुमार मिश्र के पुरुषार्थ से इस साहित्य को प्रकाश में लाने का महदुद्योग किया गया है, इसके लिए वे साधुवाद के अधिकारी हैं।ह्न इस अवसर पर डॉ. बलवेन्द्र सिंह ने कहा कि ह्य डॉ. भृगु कुमार मिश्र ने श्रृंगवेरपुर क्षेत्रीय हिन्दी साहित्य परम्परा और प्रदेय विषय इतिहास-ग्रंथ रचकर अनेकविध महत्व का कार्य किया है। रामकथा से सम्बन्धित श्रृंगवेरपुर क्षेत्र में महाकाव्य-काल से लेकर आधुनिक काल तक हुई साहित्य-सर्जना का वैज्ञानिक विशेषण इस ग्रंथ की महत्ता और विशेषता है। पाण्डुलिपियों, पुरातात्विक अवशेषों, संदर्भ-ग्रंथों साक्षात्कारों, पत्रों आदि की सहायता से यह वृहत ग्रंथ लोकोपयोगी सिद्ध होने वाला है।ह्न संगोष्ठी में उदय शंकर दुबे ने ह्यइतिहास एवं साहित्य के परिप्रेक्ष्य में श्रृंगवेरपुरह्न विषय पर बात करते हुए कहा कि ह्यप्रयागराज के अन्तर्गत सुरसरि के उत्तरीय तट पर स्थित श्रृंगवेरपुर ऐतिहासिक और साहित्य में अपने आप में अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थ क्षेत्र है। रामायण काल से लेकर आज तक यह निरन्तर विकास की ओर आगे बढ़ता जा रहा है। यहाँ का इतिहास हमें राम के आगमन पर निषाद राज द्वारा उनकी की गयी सेवा का स्मरण दिलाता है। जहाँ तक साहित्य का प्रश्न है राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार में श्रृंगवेरपुर का प्यांप्त योगदान रहा है और आज भी है। श्रृंगवेरपुर के राजा देवकीनंदन सिंह के राजत्वकाल में विक्रम सम्वत 1861, सन 1804 में कवि ठाकुर ने बिहारी सतसईं की सतसईंया वर्णार्थ प्रकाशिका टीका की रचना की थी। संगोष्ठी के अन्तिम वक्ता डॉ. भृगु कुमार मिश्र ने कहा कि ह्यश्रृंगवेरपुर एक स्थल नहीं त्रेतायुगीन नाग जाति के निषादराज गुह का राज्य था जिसका विस्तार उत्तर में सईं नदी और दक्षिण में गंगा नदी था। इस राज्य में खड़ी बोली में पहली कृति नीति सुधा तरंगिणी थी जिसके रचनाकार राम प्रसाद तिवारी लेहरा शांतिपुरम के थे। भक्तिकालीन विद्वान तुलसीसमकालीन देवमुरारी थे और नागोजी भट्ट तथा सेनापति एक हैं। तथा कवि ठाकुर की ह्यसतसैया वर्णनार्थह्न सिद्ध करती है कि राधा रचनाकार थी ना कि बिहारी। पाण्डुलिपियों की खोज महत्वपूर्ण है - होरी श्री राम नखसिंह तथा सतसैया वर्णनार्थ और राम सिंह की विनय शतक महत्वपूर्ण है।ह्न कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने किया तथा अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन एकेडेमी की प्रकाशन अधिकारी ज्योतिर्मयी ने किया । कार्यक्रम में उपस्थित विद्धानों में राम नरेश तिवारी पिण्डीवासा, डॉ. राधेश्याम अग्रवाल, डॉ. वीरेन्द्र कुमार तिवारी, रणंजय सिंह सहित शोधार्थी एवं गणमान्य विद्वान उपस्थित रहे।

मंच पर उपस्थित साहित्य कार

मंच पर उपस्थित कविगण एवं श्रोता जन

जमीनी विवाद में हुई मारपीट, दर्जनों चोटहिल

फूलपुर। कोतवाली के हंसराजपुर गांव में एक भूखंड को लेकर दो पक्षों में बुधवार सुबह मारपीट हो गई। आरोप है कि दीवानी न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन होने पर भी विपक्ष विवादित भूमि पर जबरन निर्माण कर रहा था। जिससे कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट में एक पक्ष के विनय कुमार 42 वर्ष, विवेक कुमार 24 वर्ष, अमित कुमार 17 वर्ष, तनु सरोज उम्र 15 वर्ष एवं सोनिया देवी 29 वर्ष तथा द्वितीय पक्ष से सोनिया उम्र 55 वर्ष, सुनीता 35 वर्ष, विजय कुमार 28 वर्ष, विभव 19 वर्ष को चोटे आई। दोनों पक्षों की तहरीर पर कोतवाली फूलपुर में पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया।

खो गए भीड़ में यह देश बनाने वाले.....

अखंड भारत संदेश

पाटलेश्वर महोत्सव मंच पर पहुंचे कवियों ने श्रोताओं को जी भर गुदगुदाया

करछना। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर क्षेत्र के देवरा तमसा तट स्थित प्राचीन पाटलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मंच पर पहुंचे कवियों की वाणी और शब्द रंगों से वासन्ती बहार में श्रोता सराबोर हो उठे। गीतकार राजेंद्र शुक्ल द्वारा प्रस्तुत वाणी वंदना और गीत के उपरांत जीतेंद्र जलज ने पढ़ा-ये दुनिया है ब्यापार क्या कीजिएगा,यहां सब हैं लाचार क्या कीजिएगा। सुशील शुक्ला हर्ष ने अपने अद्भुत गीतों पर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी तो वहीं कृष्णकांत कामिल ने पहाड़ दूर से छोटा दिखाई देता है,जैसी पंक्तियों पर वाहवाही लूटी। सबरेज अहमद के मुक्तकों में गंगा जमुनी तहजीब की झलक मिली। कवि संजय पांडेय सरस,विपिन त्रिपाठी,अमित आभाष के बाद संयोजक कभी संतोष शुक्ल समर्थ ने पढ़ा-बनकर समर्थ आज जो फिरता हूं शान से,ये सिर्फ मेरी मां की दुआओं का असर है। अवधि के नामचीन कवि रामलोचन सांवरिया ने मुसबिल्ला मेड़वा चालि रहे जैसी कविताओं पर खूब ठहाके लगवाए। वीरेंद्र कुसुमाकर और फतेह बहादुर सिंह ऋषिराज ने अपनी ओज कविता से शहीदों को नमन किया तो वही मंच का संचालन कर रहे हास्य कवि अशोक बेशरम ने पढ़ा-नेता ऊ जौन जीति के कुछ काम ना करें,दुइ दिन मा गुजरि जाय तो समझो बसंत है।मंच की अध्यक्षता कर रहे रीवां मध्य प्रदेश के चर्चित कवि गिरीश विंध्य कोकिल ने कहा-खो गए भीड़ में यह देश बनाने वाले। रह गए शेष है कुछ खास घराने वाले। आयोजक किसान नेता केके मिश्र ने कवियों को मंच पर सम्मानित किया इस दौरान क्षेत्र के प्रबुद्ध जन समाजसेवी शिक्षाविद और बड़ी संख्या में काव्य प्रेमी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

जॉर्ज टाउन में युवक को बंधक बनाकर मांगी फिरौती

प्रयागराज। जॉर्जटाउन में एक युवक को कमरे के अंदर बंधक बनाकर फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने महिला के घर से युवक को सुरक्षित बाहर निकाला और उसका मेडिकल परीक्षण कराया है। महिला और उसके बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी युवक को गिरफ्तार भी किया गया है। दारागंज निवासी अधिवक्ता आशुतोष शुक्ला ने एक मार्च की शाम पुलिस को सूचना दी कि उनके परिचित प्रशांत शुक्ला को जॉर्जटाउन की रहने वाली आशा सिंह ने कमरे के अंदर बंधक बना लिया है। उसे छोड़ने के लिए दो लाख रुपये की मांग की जा रही है। प्रशांत ने आशुतोष शुक्ला को कॉल करके जल्द से जल्द रुपए का इंतजाम करने की बात कही। आशुतोष मदद के लिए वहां पहुंचे तो प्रशांत से मिलने नहीं दिया गया। कहा गया कि पहले रुपए का इंतजाम करो। आशुतोष ने तत्काल 112 नंबर को कॉल करके पुलिस को बुला लिया। पुलिस के पहुंचने के बाद भी आरोपी महिला ने दबंगई दिखाई और कहा कि प्रशांत पर रुपया बकाया है। जब तक पैसा नहीं मिलेगा। उसे नहीं छोड़ा जाएगा। काफी देर तक नौकझोंक चली। आखिर में पुलिस फोर्स ने प्रशांत को कमरे से निकाला। इस मामले में आशुतोष शुक्ला ने ही महिला आशा सिंह और उनके बेटों के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी आशा सिंह के एक बेटे आशीष को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित प्रशांत के बयान के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

पांचवें चरण का मतदान खत्म होते ही पीडीए का चला बुलडोजर

अवैध निर्माण को ध्वस्त करता पीडीए का बुलडोजर

अखंड भारत संदेश

ढहाए 71 अवैध निर्माण, लोगों ने किया विरोध

प्रयागराज। सुलेम सराय एरिया में पीडीए की ओर से बुधवार को दोपहर बाद बड़ी कार्रवाई की गई है। चौफटका से लेकर सुलेम सराय चौराहा तक 71 अवैध निर्माण पर बुल्डोजर चलाकर ध्वस्त किया गया। इसमें कई फल, सब्जी व कपड़ी की दुकानें भी शामिल रही। ध्वस्तीकरण के दौरान लोगों ने विरोध भी किया। पुलिस बल मौजूद होने के कारण चंद मिनट में ही विरोध करने वाले शांत हो गए। अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ यह कार्रवाई पीडीए की ओर से लगभग चार से पांच घंटे तक की गई।

बुल्डोजर खड़े होने से लग गया था जाम

पीडीए की कार्रवाई के दौरान इस रूट पर जाम भी लगता रहा। गुरुवार को भी अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ इसी एरिया में कार्रवाई की जाएगी। पीडीए की ओर से यह कार्रवाई हाईकोर्ट के निर्देश पर की गई है। अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ एकाएक हुई इस कार्रवाई से पीडीए ने अपना इरादा भी अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ स्पष्ट कर दिया है। दोपहर ढाई बजे के आसपास पीडीए की टीम चौफटका के पास पहुंची। नगर निगम और पुलिस दल भी थोड़ी देर बाद पहुंचा। जो लोग टीन शेड व तिरपाल डालकर अवैध निर्माण किए हुए थे। उन्हें सामान हटाने का कुछ समय दिया गया उसके बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हो गई।

पीडीए के वीसी ने यह कहा – सुलेम सराय क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों ने अवैध निर्माण कर रखा है। उनके खिलाफ पीडीए की ओर से बुधवार से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ इसी तरह से कार्रवाई होती रहेगी। गुरुवार को भी कार्रवाई की जाएगी। **अरविंद चौहान, वीसी, पीडीए।**

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री मामले की सुनवाई 29 मार्च को

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री को लेकर दाखिल याचिका की सुनवाई अब 29 मार्च को करेगा। याची अधिवक्ता के अनुरोध पर कोर्ट ने यह आदेश दिया है। याचिका में एसीजेएम, प्रयागराज के 4 सितंबर, 2021 को पारित आदेश को चुनौती दी गई है। इसके तहत न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रयागराज ने फर्जी डिग्री की शिकायत की एफ आई आर दर्ज करने के आदेश जारी करने से इंकार कर अर्जी खारिज कर दी थी। दिवाकर नाथ त्रिपाठी की याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता ने की।याची का कहना है कि सूचना अधिकार कानून के तहत मांगी गई जानकारी में सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने भूषण पांडेय को बताया कि हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज की प्रथमा, मध्यमा, विशारद डिग्री हाईस्कूल के समकक्ष मान्य नहीं है। केशव मौर्य ने इस डिग्री के आधार पर आगे की शिक्षा ग्रहण की है, जो गैरकानूनी है। यह अपराध की श्रेणी में आती है। याची ने कैंट थाना प्रभारी को शिकायत की थी। सुनवाई न होने पर उच्चाधिकारियों को बताया। फिर भी कार्रवाई नहीं हुई, तो मजिस्ट्रेट की अदालत में अर्जी दाखिल की। याची ने मजिस्ट्रेट को यह भी अर्जी दी कि विपक्षी विधायक है। इसलिए अर्जी एमपी/एमएलए की विशेष अदालत में भेजा जाए या प्रकरण सत्र न्यायाधीश को भेजा गया। मगर, मजिस्ट्रेट ने थानाध्यक्ष से रिपोर्ट मांगी और रिपोर्ट पर एकतरफा विचार कर अर्जी खारिज कर दी।

न्यूज झरोखा

माघ मेले में लगी नमामि गंगे प्रदर्शनी का हुआ समापन

प्रयागराज। माघ मेला में एक माह से लगी हुई नमामि गंगे प्रदर्शनी के माध्यम से अंगुतक बहुत प्रभावित और जागरूक भी हुए ।दो दिवसीय नमामि गंगे प्रदर्शनी के समापन कार्यक्रम में शिवरात्रि के दिन माघ मेले का आखिरी स्न्नान है पर नमामि गंगे की प्रदर्शनी में कई विशिष्ट अतिथियों का आगमन हुआ। प्रदर्शनी के समापन में आज जस्टिस शेखर कुमार यादव , इलाहाबाद हाईकोर्ट एवं महेश चतुवेर्दी ,अतिरिक्त महाधिवक्ता , इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पवेलियन में आकर प्रदर्शनी का अवोलकन किया। शिवरात्रि की मौके पर प्रयागराज प्रभागीय वन निदेशक रमेश चन्द्र, उप प्रभागीय न्यायाधीश संत कुमार , सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी आशुतोष, (विधायक) मंझनपुर, प्रशिद्ध राम कथावाचक (आचार्य शान्तनु जी महाराज) पवेलियन में आकर प्रदर्शनी का अवोलकन किया। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के संचार विशेषज्ञ अथर्व राज पांडे ने सभी अधिकारीगण को नमामि गंगे द्वारा किए गए कार्यों के बारे में अवगत कराया । सभी विशिष्ट अतिथि ने नमामि गंगे द्वारा किए जा रहे प्रयासों की अत्यंत प्रशंसा एवं सराहना की । नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज की जिला युवा अधिकारी जागृति पांडे, जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे)एषा सिंह जिला परियोजना अधिकारी, प्रतापगढ़ शिवम् यादव उपस्थित रहे और नेहरू युवा केंद्र – नमामि गंगे कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया।भारतीय वन्यजीव संस्थान के कृष्ण उपाध्याय जीवन द्वारा जलीय जीव एवं संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।प्रदर्शनी को देखने के लिए भारी संख्या में लोग आये और प्रशंसा भी किया ।कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक रोहित मणि तिवारी,पंकज कविता, हिमांशु ,अमन, मनीष, गणेश रितिका , युवा मंडल अध्यक्ष, सूरज, निर्मल कांत उपस्थित रहे ।

महाशिवरात्रि पर इफको में हुआ रूद्राभिषेक

फूलपुर। प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी महाशिवरात्रि पर इफको की फूलपुर इकाई में भव्य तरीके से सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। मंगलवार को मंदिर परिसर में हुए सामूहिक रुद्राभिषेक में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। मंदिर परिसर के मुख्य पुजारी द्वारा पूर्ण विधि-विधान एवं मंत्र उच्चारण के साथ सामूहिक रुद्राभिषेक संपन्न कराया गया। तत्पश्चात उपस्थित शिव भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया। इफको फूलपुर में महाशिवरात्रि का पर्व प्रतिवर्ष धूमधाम एवं सुव्यवस्थित तरीके से मनाया जाता है।सभी भक्त सपरिवार अपनी-अपनी पूजा सामग्री के साथ रुद्राभिषेक में शामिल होते है। इसका आयोजन प्रतिवर्ष ओम कल्याण समिति द्वारा किया जाता है।सामूहिक रुद्राभिषेक में मुख्य यजमान इकाई प्रमुख व कार्यकारी निदेशक संजय कुदेसिया व श्रीमती विनीता कुदेसिया रहे। रुद्राभिषेक में दानवीर सिंह, संतोष कुमार शुक्ला, संजय कुमार मिश्र, रामेश्वर मिश्र, पी.के.सिंह व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी सपत्नीक उपस्थित रहे। दोपहर सामूहिक रुद्राभिषेक के बाद सांय-काल महिला भक्तों द्वारा भगवान शिव का भजन एवं जाप का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई।भगवान शिव की स्तुति से सारा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इलाहाबाद के कोरांव से शिवसेना ने संगठन का विस्तर किया

शहजादे

तोड़ना नहीं जोड़ना शिवसेना का उद्देश्य : धर्म मिश्र एडवोकेट

कोराव। मेरा और शिवसेना का मुख्य उद्देश्य है किसी को तोड़ना नहीं बल्कि जोड़ना। उक्त बातें महाराष्ट्र शिवसेना के इलाहाबाद में कोरांव विधान सभा चुनाव में पार्टी की तरफ से नियुक्त लीगल हेड एवं आब्जर्वर धर्म मिश्र एडवोकेट ने इस प्रतिनिधि से कही। धर्म मिश्र ने कहा कि बहुत ही कम वक्त में कोरांव प्रयागराज के मिले लोगों से मिल कर बड़ी प्रसन्नता हुई और लोगों का स्नेह भी मिला। उन्होंने कहा कि चुनाव के बहाने यहां आकर मेरी पार्टी और हम सब शिवसेना को काफी महत्वपूर्ण सफलता मिली, भले ही चुनाव में हार जीत हो किंतु प्रयागराज की पुण्य धरती से शिवसेना ने सांगठनिक विस्तार की शुरूआत अवश्य किया। श्री मिश्र ने कहा कि इस इलाके के भोले भाले गरीब जनता के बीच पहुंचने और वार्ता का को अवसर मिला इससे मैं बहुत कुछ सीखा और बहुत ही प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों में जो ईर्ष्या,नफरत के बीज बोए गए हैं लोगों में उसे शिवसेना समाप्त करेगी। उत्तर प्रदेश चुनाव प्रभारी शिवसेना श्री मिश्र ने कहा कि नगर से ले कर ग्रामीण इलाकों के माहिल पुरुष युवाओं से मिला। और उनके सहयोग के लिए काफी शुक्रगुजार हूं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द यहां शिवसेना का ढांचा तैयार हो जायेगा। कार्यालय भी खोला जाएगा। जिससे यहां की मूल भूत समस्याओं का शिवसेना निदान कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि सभी धर्मों का समादार हिंदुत्व भारतीय संस्कृति का मूल आधार रहा है। क्योंकि हिंदू ग्रंथों और धर्म में नफरत घृणा के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा की सिवसेना सब को साथ लेकर चलना चाहती है जिससे राष्ट्र विकास प्रगति के पथ पर सदैव दिखे। यूपी चुनाव आब्जर्वर ने कहा कि यूपी के हालात कुछ पार्टियां ऐसे बना दिए हैं कि लोगों को घृणा नफरत के शिकार बनाए जा रहे। भाईचारा सर्वधर्म के लिए कार्य करके योजनाएं लागू कर के सिंवसेना यूपी में भी अपना वजूद स्थापित करेगी। साथ ही भूमि पुत्रों और महिलाओं के सम्मान उत्थान विकास के लिए विस्तृत कार्यक्रम चलाएगी। और गरीबों मजदूरों महिलाओं बेरोजगारों के चेहरों पर मुस्कान लाएगी। दरअसल ठाकरे सरकार के साहबजादे आदित्य ठाकरे और उनकी सरकार में कई मंत्री सांसद विधायक,एमएलसी नेता पदाधिकारी कार्य कर्ता प्रयागराज कोराव की धरती पर आए और यहां की वस्तु स्थितियों से अवगत हुए। जिससे शिवसेना यूपी में पांव पसारने जा रही है।

अज्ञात चोरों ने प्रणाम कर 35 हजार उड़ाए

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों क्षेत्र के सहसों बाजार स्थित भारतीय स्टेट बैंक से पैसा निकाल कर सेवानिवृत्त शिक्षक अपने घर जा रहा था कि सहसों चौराहे के पहले ही दो अज्ञात चोरों ने प्रणाम कर भुक्तभोगी से 35 हजार उड़ा दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवानिवृत्त शिक्षक उमाकांत पांडे पुत्र स्वर्गीय बद्री प्रसाद पांडे निवासी चकिया घरहरा, थाना सराय इनायत ने वाकये घटना के बारे में बताया कि वह बुधवार की सुबह सहसों स्थित भारतीय स्टेट बैंक से सवा ग्यारह बजे के करीब 35 हजार रुपए नगद निकाल कर अपने घर जा रहा था कि जैसे ही वह राम जानकी मंदिर के आगे मनीष हाउस के सामने पहुंचा पीछे से दो अज्ञात बयक्ति बाइक से हमें रोक कर पैर छूकर प्रणाम किया तो भुक्तभोगी ने परिचित समझ कर रुक गया। अज्ञात व्यक्तियों ने हाल-चाल जाने के बाद 2 हजार रुपए का चेंज मांगने लगे भुक्तभोगी ने बैंक से निकाले रूपयों से चेंज देने लगा इतने में अज्ञात चोरों ने भुक्तभोगी को धक्का देकर गिरा दिए और 35 हजार रुपए छीन कर फुर्र हो गए। भुक्तभोगी रिटायर्ड शिक्षक उमाकांत पांडे का चौंधागुल हो गया वह काफी देर तक आवाक रहा। घर पहुंच कर अपनी आपबीती परिजनों से बताने लगा घटना से वाकिफ हो कर परिजन भी आवाक रह गए। हालांकि घटना की लिखित सूचना भुक्तभोगी ने सहसों पुलिस को देकर उचित कार्यवाही की मांग की है। सहसों पुलिस सूचना पाकर मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की छानबीन की।

यूक्रेन से घर लौटे छात्र ने बतायी आप बीती

माइनस डिग्री के तापमान और गोलियों की तड़टड़ाहट में कैसे रात बितायी ये सोचकर ही दिल दहल जाता है, भारत को और तेजी दिखानी होगी वापसी के लिए नहीं तो जायेंगी कई जान

लालापुर। बारा तहसील के लालापुर थाना क्षेत्र के पंडुवा गांव निवासी सौरभ केसरवानी बुधवार की भोर में अपने गांव पहुंचे तो गांव वालों ने उनका गाजा बाजा के साथ स्वागत किया। यूक्रेन के इक्वनो फ्रेंकविस्क शहर में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे छात्र सौरभ केसरवानी लालापुर थाना क्षेत्र के पंडुवा गांव बुधवार की भोर पहुंचा तो गांव वालों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा।मां-बाप गले लगाकर रोने लगे।सौरभ की आंखे भी छलक आयी।बातचीत के दौरान सौरभ ने बताया की हम लोग जिस दिन पहला अटैक हुआ था वो हमारे शहर में थर्मल पावर प्लांट व आर्मी बेस के पास हुआ था।जिससे हम लोग और ज्यादा डरे सहमे थे।भारत सरकार को और अच्छी व्यवस्था देना पड़ेगा नहीं तो कई लोगों की जाने जा सकती हैं।यूक्रेन से रोमानिया बार्डर पहुँचने के बाद बुचारेस्ट 470 किमी जाना पड़ता है।एयरपोर्ट से दस किमी पहले ही बस छोड़ देती है उसके बाद 10 किमी पैदल एयरपोर्ट पहुँचते हैं।बीच में भगदड़ होने के कारण मेरे साथ मध्य प्रदेश की लड़कियाँ थी जिसमें एक का पैर फैक्चर हो गया।माइनस तापमान और गोलियों की तड़टड़ाहट में कैसे जान बची ये सोचकर ही रूह कांप जाती है।हमारा भारत सरकार से यही अनुरोध है की हमारे साथियों को वतन वापस करने के लिए और प्रयास करे।

पाक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, जेल

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। थाना मेजा की पुलिस को बुधवार को एक अच्छी सफलता हाथ लगी उसने पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेजा।जानकारी के अनुशार एसएसपी प्रयागराज अजय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित व सीओ मेजा अमिता सिंह के निर्देशन में मुकदमे के वांछित वारन्टी अपराधियो की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान में आज बुधवार को प्रभारी निरीक्षक मेजा तुषार दत्त त्यागी के नेतृत्व में उप निरीक्षक संजय कुमार सिंह हेड कांस्टेबल संजय पाण्डेय अन्य पुलिस के साथ क्षेत्र में पर गश्त कर रही थे। तभी मुखबिर से मुकदमा 69/2022 धारा 363,366,376 एवं 3/4 पास्को एक्ट के वांछितों आरोपी की भटौती तिराहे पर होने की खास सूचना मिली जिसके बाद दरोगा संजय कुमार सिंह दल बल के साथ भटौती तिराहे पर पहुंचे और घेराबंदी कर आरोपी वांछित धनंजय पुत्र राम हित निवासी भटौती मेजा प्रयागराज को पकड़ लिया और थाने ले आये जहाँ थाना मेजा पीसी कर उसे जेल भेज दिया गया।

वॉट्सऐप ग्रुप का एडमिन भी किसी सदस्य के गलत संदेश के लिए जिम्मेदार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आईटी एक्ट के तहत वॉट्सऐप ग्रुप के एडमिन के खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप से इन्कार करते हुए याचिका खारिज कर दी। एडमिन के ग्रुप में एक सदस्य ने प्रधानमंत्री मोदी का रूपान्तरित फोटो डाल दिया था। इसे लेकर आईटी एक्ट की धारा-66 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ। इसे चुनौती देते हुए याची ग्रुप एडमिन ने इस आपराधिक प्रक्रिया को रद्द करने की हाईकोर्ट से मांग की थी।यह आदेश जस्टिस मोहम्मद आलम ने ग्रुप एडमिन मोहम्मद इमरान मलिक की याचिका को खारिज करते हुए दिया। याचिका में याची का कहना था कि वह ग्रुप एडमिन है। उसने प्रधानमंत्री का रूपान्तरित फोटो ग्रुप में नहीं डाला है। यह फोटो ग्रुप के एक सदस्य निजाम आलम ने डाला है। कहा गया था कि वह ग्रुप एडमिन है। इस कारण वह सदस्य के गलत कृत्य के लिए दोषी नहीं हो सकता। उसके खिलाफ आईटी के अन्तर्गत दर्ज केस रद्द किया जाय।सरकारी वकील का कहना था कि याची ग्रुप एडमिन है। इस नाते ग्रुप का सह-व्यापक (को- एक्सटेंसिव) सदस्य है। इस कारण यह नहीं कहा जा सकता कि याची ने धारा-66 आईटी एक्ट के अन्तर्गत अपराध नहीं किया है। कोर्ट ने कहा कि याची ग्रुप एडमिन है। वह भी गलत संदेश के लिए जिम्मेदार है।

भयहरणनाथ धाम में 22वें महाकाल महोत्सव का हुआ समापन

भयहरण नाथ धाम सामाजिक विकास का अद्भुत केंद्र : आर एस वर्मा

अखंड भारत संदेश

भयहरणनाथ धाम में 22वें महाकाल महोत्सव के समापन अवसर पर बोलते आरएस वर्मा

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में 22 वें महाकाल महोत्सव का भव्य समापन हुआ। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की सांस्कृतिक दल ने लोक गायक जंग बली यादव के नेतृत्व में बिरहा व लोक गीतों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी । मुख्य अतिथि पूर्व आयुक्त व पूर्व जिलाधिकारी प्रतापगढ़ आर एस वर्मा ने कहा कि भयहरणनाथ धाम की गतिविधियां समाज के विकास का अद्भुद केंद्र है।

उन्होंने कहा कि भयहरणनाथ धाम के विकास में स्थानीय समाज को साथ लेकर सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने प्रकृति व सांस्कृतिक पक्षो को मजबूत करने के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। पूर्व डीएम वर्मा जी ने कहा कि बकुलाही नदी पुनरोद्धार हेतु यहां के समाज ने समाज शेखर के संयोजन में बड़ी गंभीरता से कार्य किया गया है जो इस क्षेत्र व समाज को सदैव जीवंत रखेगा।

विशिष्ट अतिथि रेल यातायात के पूर्व अपर महानिदेशक व गायत्री परिवार के प्रयागराज संयोजक अशोक मिश्र ने गायत्री परिवार की गतिविधियों के माध्यम से धाम को पुनजार्गृत करने का संकल्प व्यक्त किया। वही पुरातत्वविद प्रोफ पीयूष कांत शर्मा ने जनपद प्रतापगढ़ सहित धाम के प्राचीन महत्ता को रेखांकित किया। बेस्टीज कंपनी के डायरेक्टर आदेश शर्मा ने युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर करने पर बल दिया। प्रारम्भ में ही धाम के महासचिव समाज शेखर ने सभी का स्वागत करते हुए धाम की प्रगति से सभी को अवगत कराया । वही किसान यूनियन अम्बावत के प्रतापगढ़ शाखा के प्रतिनिधियों ने संयोजक चंचल सिंह के संयोजन में बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर दिन भर चर्चा परिचर्चा करके जल्द धाम में अपनी एक शाखा का संचालन कर यहां की गतिविधियों में सहयोग का संकल्प लिया। कार्यक्रम को शैक्षिक महासंघ के राजेश कुमार मिश्र, गंगा समग्र के जिला संयोजक प्रभात मिश्र, बेसिक शिक्षा विभाग से अखिलेश पाण्डेय, नमामि गंगे परियोजना के जिला समन्वयक शिवम यादव आदि ने प्राकृतिक संसाधनों व धार्मिक केंद्रों में जन सहयोग तथा लोक भागीदारी पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अंत मे महोत्सव में सहयोग करने वाले विभूतियों व कार्यकताओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, चौकी प्रभारी राकेश सिंह भदौरिया, उपाध्यक्ष उमाकांत पाण्डेय, कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, श्रृंगवेरपुर धाम के प्रतिनिधि ओम प्रकाश द्विवेदी, कार्यालय प्रभारी सच्चिदानन्द पाण्डेय , स्वच्छता प्रभारी नीरज मिश्र , लाल चंद्र जौहर, अवधेश मिश्र, राधे श्याम पटेल आदि ने विचार व्यक्त किये।

मतों के जोड़-घटाने में लगे चुनावी गणितज्ञ

अखंड भारत संदेश

265 कोरांव सुरक्षित विधानसभा : चाय-पान की दुकानों पर जीत-हार के दावे, 10 मार्च जनता आगे-नेता पीछे

पसना। कोरांव विधानसभा के तीसरे विधायक को चुनने के लिए मतदाताओं के योगदान रूपी मत को चुनाव आयोग ने मशीनों में बंद कर मुंडेरा मंडी के स्ट्रांग रूमों में कड़े पहरे में रखवा दिया है,लेकिन अपने-अपने दल एवं प्रत्याशियों की जीत-हार का दावा करते मतदाता एवं कार्यकर्ता गली-चौराहों की चाय-पान की दुकानों पर सुबह-शाम चर्चा करते थक नहीं रहे हैं।ज्यादातर लोगों की बहस का मुद्दा सपा-भाजपा के बीच मुख्य मुकाबले को लेकर हो रही है। भाजपा समर्थक मतदातों की नजर में पार्टी प्रत्याशी की भारी जीत के दावे किये जा रहे है,वहीं सपा समर्थकों की राय अपने प्रत्याशी को दस हजार से अधिक मतों से विजयी मान रही है।देखा जाय तो पूरे विधानसभा में कोल जाति के मतदाताओं का जबर्दस्त समर्थन अप्रत्याशित रूप से कांग्रेस प्रत्याशी रामकृपाल कोल के साथ दिखा लेकिन अन्य जातियों के मत अपेक्षानुरूप कांग्रेस प्रत्याशी को न मिलने के कारण उनके समर्थक जीत का पक्का दावा नहीं कर पा रहे हैं।बसपा प्रत्याशी राजबली जैसल भी कई बूथों पर अच्छे मुकाबले में दिखायी दिये लेकिन इनके पुराने मतदाता जैसे, कुशवाहा, पाल, मुस्लिम मतों का झुकाव ज्यादातर बूथों पर सपा प्रत्याशी के पक्ष में दिखाई दिये।ब्राह्मण मतों में 50% भागीदारी का दावा करने वाले बसपा प्रत्याशी राजबली जैसल को ब्राह्मणों का आशानुरूप समर्थन न मिल पाने से भी बसपा को नुकसान पहुँच रहा है।, स्वर्ण मतदाताओं जैसे ब्राह्मण,ठाकुर,वैश्य आदि जातियों के ज्यादातर एवं लाभार्थी मतों का कुछ प्रतिशत मत भाजपा प्रत्याशी को मिलने के कारण भाजपा समर्थक पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित मान रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी राजमणि कोल से नाराजगी के कारण ब्राह्मण मतों में बिखराव के बावजूद अधिकतर मत भाजपा को प्राप्त हुआ।ब्राह्मण बहुल बूथों पर कम मतदान होना भी भाजपा प्रत्याशी को नुकसान पहुँचा सकता है।सपा समर्थकों की राय में आवारा पशुओं,बेरोजगारी एवं कोरोना काल में जनता को हुई परेशानियों के कारण मतदाताओं ने पूरे प्रदेश में सत्ता के विरोध स्वरूप अपना मत सपा के पक्ष में दिया है। कुल मिलाकर मतगणना तिथि 10 मार्च तक जनता आगे-आगे व नेता पीछे-पीछे चल रहा है अब 10 मार्च दोपहर तक ही कोरांव के तीसरे विधायक व नई सरकार का चेहरा उभरकर सरकार के सामने आएगा।

क्या कहते हैं मतदाता

सेवानिवृत्त शिक्षक कन्हैयालाल मिश्र का मानना है कि कोरांव विधानसभा में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा एवं समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के बीच है।अखिलेश यादव का पुरानी पेंशन का वादा कर्मचारी परिवारों के बीच उनकी पार्टी को मजबूती दे रहा है।कोरांव में ब्राह्मणों का झुकाव भाजपा की ओर होने से दोनों के बीच जीत-हार का अंतर कम होगा।

वरिष्ठ पत्रकार एवं अल्हवा के ग्राम प्रधान शहजादे जी की नजर में कोरांव में भाजपा और सपा की बीच मतदान में कड़ी लड़ाई दिखाई दी है,कांग्रेस प्रत्याशी ने भी लड़ाई को त्रिकोणात्मक बना दिया है।अब 10 को ही स्थिति साफ होगी।

पसना के युवा मतदाता बब्बन पटेल सपा प्रत्याशी की जीत को लेकर अतिउत्साहित हैं, उनकी नजर में बेरोजगारी की समस्या के चलते योगी सरकार से नाराजगी के कारण हमारे क्षेत्र के युवा मतदाता भारी संख्या में साईकिल का समर्थन किया है।

कोरांव विधान सभा में त्रिकोणीय जंग अंत में दिखी

कोरांव। कोराव विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में तो बंद है। किंतु मतदान के बाद भाजपा, सपा-बसपा एवं कांग्रेस के प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। जीत के दावे के साथ ही प्रत्याशियों ने वोटरों का आभार भी जताया है। हालांकि वोटरों की खामोशी से इस बार प्रत्याशी खासे बेचैन भी दिखे। लेकिन वोटरों के खामोशी से चुनावी रुझान का आंकलन करना भी मुश्किल हो गया। सभी पार्टी के समर्थक खास तौर से भाजपा पूरे दिन अपने क्षेत्र में अधिक वोट पाने का दावा करते रहे। इसी दावे को आधार बनाकर चुनावी गणित को देर रात तक प्रत्याशी समझा रहे हैं। अमूमन पिछले कुछ चुनावों में बूथों के आसपास लगने वाले प्रत्याशियों के स्टाल ही बहुत कुछ बता देते थे। जिस उम्मीदवार के स्टाल पर पर्ची बनवाने के लिए भीड़ अधिक लगती थी यह माना जाता था कि उस प्रत्याशियों की हवा तेज है। इसी भीड़ से ही किसका पलड़ा भारी है, अंदाजा लगाया जाता था। लेकिन इस बार ऐसा बहुत कम देखने को मिला हैं। चुनाव आयोग का कुछ इंतजाम ही ऐसा था कि अधिकांश मतदाताओं को पर्ची बीएलओ द्वारा पहुंचा दी गई थी। हालांकि मतदान संपन्न होने के बाद इलाहाबाद कोरांव विधानसभा में प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहें हैं। लेकिन अभी प्रत्याशीयो का भविष्य गर्भ में है। किंतु चर्चा है कि भाजपा प्रत्यासी ही जीतेंगे,तो कोई कहता फिर रहा कि सपा ही जीतेगी,और लोग कह रहे कि कांग्रेस प्रत्यासी जीत रहा तो कोई बीएसपी प्रत्यासी की जीत बता रहा। तो कोई कह रहा कांग्रेस प्रत्यासी के चलते भाजपा की जीत होगी।तो कोई। कहा कि शिवसेना की आरती कोल ने। भाजपा प्रत्यासी को नुकसान पहुंचाया,और कोई कहता फिर रहा कि आरती ने कांग्रेस भाजपा दोनो का नुकसान किया तो कोई कहता कांग्रेस प्रत्यासी के कारण सपा प्रत्यासी जीत रहा। तो कोई कह रहा कि बीएसपी का परंपरागत बेस वोट भी इस चुनाव में खिसकता दिखा। इनके वोटर्स सपा कांग्रेस भाजपा में भी भागे।

रात में समर्थकों संग बैठकर हार जीत का गणित समझते रहे प्रत्याशी

सिरसा। प्रयागराज मेजा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। मतदान के बाद भाजपा, सपा-बसपा एवं कांग्रेस के प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। जीत के दावे के साथ ही प्रत्याशियों ने वोटरों का आभार भी जताया है। हालांकि वोटरों की खामोशी से इस बार प्रत्याशी खासे बेचैन भी दिखे। लेकिन वोटरों के खामोशी से चुनावी रुझान का आंकलन करना भी मुश्किल हो गया। समर्थक पूरे दिन अपने क्षेत्र में अधिक वोट पाने का दावा करते रहे। इसी दावे को आधार बनाकर चुनावी गणित को देर रात तक प्रत्याशी समझा रहे हैं। अमूमन पिछले कुछ चुनावों में बूथों के आसपास लगने वाले प्रत्याशियों के स्टाल ही बहुत कुछ बता देते थे। जिस उम्मीदवार के स्टाल पर पर्ची बनवाने के लिए भीड़ अधिक लगती थी यह माना जाता था कि उस प्रत्याशियों की हवा तेज है। इसी भीड़ से ही किसका पलड़ा भारी है, अंदाजा लगाया जाता था। लेकिन इस बार ऐसा बहुत कम देखने को मिला हैं। चुनाव आयोग का कुछ इंतजाम ही ऐसा था कि अधिकांश मतदाताओं को पर्ची बीएलओ द्वारा पहुंचा दी गई थी।

देश की एकता तथा अखण्डता की मजबूती ही विकास का आधार: प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। पौराणिक स्थली बाबा घुइसरनाथ धाम मे सत्ताईसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव की मंगलवार की शाम पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी ने परम्परागत दीप प्रज्ज्वलन कर सांस्कृतिक उत्सव का उद्घाटन किया। उदघाटन समारोह को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित करते प्रमोद तिवारी ने कहा कि गंगा-जमुनी संस्कृति की मजबूती ही देश के विकास की परिकल्पना है।

उन्होंने कहा कि देश की एकता तथा अखण्डता की मजबूती ही विकास का आधार है। प्रमोद तिवारी ने कहा कि दुनिया के राष्ट्रों के बीच भारत की सांस्कृतिक एकता की छवि हमारे महान लोकतंत्र में समानता तथा बन्धुत्व की प्रेरणा की गाथा लिये हुए है। उन्होनें कहा कि एकता महोत्सव सौहार्द के साथ समतापरक पूजा और आराधना की संस्कृति को भी मजबूत बनाये रखने में अपनी सार्थकता रखता है। प्रमोद तिवारी ने बाबा घुइसरनाथ जी से देश को कोरोना मुक्त बनाने के लिए कामना करते हुए कहा कि स्वस्थ भारत अपनी सार्वभौमिक एकता की ताकत से आज के दौर में दुनिया का नेतृत्व करने में समर्थ हुआ है। उधर बाबा घुइसरनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद तिवारी ने श्रद्धालुओं की ओर से पवित्र गंगा सागर में दीप दान भी किया। उदघाटन समारोह का संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। अतिथियों का स्वागत ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बब्लू व आभार प्रदर्शन पूर्व प्राचार्य भगवती प्रसाद तिवारी ने किया। संयोजन प्रधानाचार्य सुधाकर पाण्डेय एवं डा. अमिताभ शुक्ल ने किया। इस मौके पर लालगंज प्रमुख अमित सिंह, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, लल्लन सिंह, अरविंद सिंह, अशोकधर द्विवेदी, विशालमूर्ति मिश्र, रामबोध शुक्ल, अरविंद मिश्र, लाल अभिषेक प्रताप सिंह, अवधेश सिंह, गुडडू सिंह, अरूण पाण्डेय, आशीष उपाध्याय, करूणेश पाण्डेय, दगपाल यादव, आशुतोष मिश्र, विकास मिश्र, दिनेश मिश्र, छोटेलाल सरोज, त्रिभु तिवारी, डा. शिवमूर्ति शास्त्री, डा. प्रवीन सागर शुक्ल, महेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र मिश्र, धर्मेन्द्र शुक्ल, श्रीकृष्ण तिवारी, बृजेश द्विवेदी, सिंटू मिश्र आदि रहे।

घुइसरनाथ के गंगा-सागर मे प्रमोद तिवारी ने किया दीपदान

गंगा सागर में दीपदान करते सीडब्ल्यूसी मेम्बर प्रमोद तिवारी।

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने मॉडल बनाकर जागरुकता का दिया संदेश

अखंड भारत संदेश

संस्कार ग्लोबल स्कूल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी

प्रतापगढ़। संस्कार ग्लोबल स्कूल टेऊँगा में बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने आकर्षक मॉडल बनाकर जागरूकता का सन्देश दिया। विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों ने पुणे साइंस सिटी, अहमदाबाद, बैंगलुरू, मुम्बई, कोटा, लखनऊ, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई साइंस सिटी के मॉडल को प्रदर्शित किया।

इसमें ड्रिप सिंचाई पद्धति, फार्म सिक्योरिटी (जानवरों से फसलों को सुरक्षित रखने का मॉडल), लेजर सिक्योरिटी सिस्टम, सेटेलाइट कम्युनिकेशन, फायर अलार्म, ज्वालामुखी विस्फोट, जल संचयन, भूकम्प सूचक यंत्र सहित पचास से अधिक मॉडल प्रदर्शित किया। इसके पूर्व सीओ सिटी अभय पाण्डेय, प्रिंसिपल स्मृति सिंह ने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। सीओ विनय प्रभाकर साहनी, प्रकाश त्रिपाठी, अखिलेश मिश्रा, उमा सिंह, सन्ध्या शुक्ला, अमित सोनी, राहुल श्रीवास्तव, गौरव जायसवाल, अंकिता सिंह, अविनाश सिंह, दीपिका मिश्रा, श्रुतजा, संगीत दुबे, विकास सिंह, प्रवीण मौर्य, विनोद मौर्य आदि उपस्थित रहे।

संस्कार ग्लोबल स्कूल में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीओ सिटी अभय पाण्डेय।

जनसेवा केन्द्र मे दीवार काटकर लाखों के चोरों ने उड़ाये माल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। जनसेवा केन्द्र के कमरे की दीवार काटकर अज्ञात चोरों ने लाखों का सामान उड़ा लिया। कोतवाली के रानीगंज कैथौला चैकी की नाक के नीचे कौशिल्यापुर बाजार मे स्थित जनसेवा केन्द्र मे मंगलवार की रात चोरी की दुस्साहसिक घटना घटित हुई। पयागीपुर गांव के नीरज सरोज पुत्र संतलाल ने यहां जनसेवा केंद्र का संचालन कर रखा है।

अज्ञात चोरों ने कमरे की दीवार काटकर तीन लैपटॉप तथा एक लैमिनेशन मशीन एक इन्वर्टर बैट्री, एक फिंगर प्रिंट व चार पेन ड्राइव चोरी कर ले गये। पीड़ित के अनुसार चोरी गये सामानों की कीमत लाखों की है। सुबह आसपास के व्यापारियों ने जब दुकान की दीवार कटी देखी तो पीड़ित व्यवसाई को फोन पर सूचना दी। पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को सौंपी। तहरीर के आधार पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है। घटना को लेकर बुधवार को रानीगंज कैथौला क्षेत्र के व्यापारियों मे गुस्सा देखा गया। एसओ कमलेश पाल का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, शीघ्र घटना का खुलासा किया जायेगा।

प्री ट्रायल की बैठक में मौजूद पीठासीन अधिकारी

राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में पीठासीन अधिकारी एम0ए0सी0टी0 रोहित सिन्हा के द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 मार्च 2022 के सम्बन्ध में प्री ट्रायल बैठक की गयी। बैठक में पीठासीन अधिकारी ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों को पक्षकारों की सहमति व सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक मुकदमों का निपटारा कराने में सहयोग की बात कही। बैठक का संयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। बैठक में एम0ए0सी0टी0 वादों से सम्बन्धित विद्वान अधिवक्तागण भी उपस्थित रहे।

एकता महोत्सव में भोजपुरी गीतों पर झूमे लोग

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम में सत्ताईसवें एकता महोत्सव के मंगलवार की मुख्य सांस्कृतिक संध्या में मुम्बई से आयीं भोजपुरी सुपरस्टार प्रियंका सिंह के भोजपुरी समेत विविध विधाओं मे गोते लगा रहे गीतों ने पूरी की पूरी महफिल को अपने नाम बनाने मे कामयाबी हासिल की। वहीं वॉलीवुड सुपर स्टार रवि त्रिपाठी के भी भजन तथा वॉलीवुड के कई धमाकेदार गीतों की महफिल सजी तो सत्ताईसवां महोत्सव दर्शक दीर्घा मे यादगार पल दे गया। कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों से बाबा के समीप बह रही आदिगंगा सई की धाराएं भी गीत-संगीत से मचल उठी सी दिखीं।

शुभारम्भ उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र की नामचीन कलाकार निधि श्रीवास्तव के सांस्कृतिक दल की मनमोहक प्रस्तुतियों से हुआ। निधि श्रीवास्तव की टीम ने ब्रज के फूलों की होली का मंचन किया तो दर्शक वाह-वाह कर उठे। निधि के सईया हमार जैसे कई गीतों पर सामूहिक लोकनृत्य ने भी दर्शकों को लुभाया। मुम्बई की चर्चित भोजपुरी सुपरस्टार प्रियंका सिंह ने जब रंगमंच पर दस्तक दी तो महिला एवं पुरूष आडीटोरियम प्रियंका की प्रस्तुतियों का कायल हो उठा। प्रियंका के सत्यम शिवम सुन्दरम् तथा बम भोले बम बोल रहा काशी के भक्ति संगीत की प्रस्तुति से महोत्सव स्थली बाबा के जयकारे से गूंजने लगी। वहीं प्रियंका सिंह ने जब तुमसा कोई प्यारा कोई मासूम नही है व रेलिया बैरन पिया को लिये जाय रे.. जैसे गीत को आगाज दिया तो महोत्सव का निखार चढ़ उठा दिखा।

पाश्र्व-गायक सुपर स्टार रवि त्रिपाठी के बम भोले बम की प्रस्तुति के बीच चाहूंगा मैं तुझे सांझ सवेरे.., गुलाबी आंखे जब तेरी देखी.., इण्डिया से आया मेरा दोस्त जैसे वॉलीबुड गीतों पर युवा लॉबी मंच के नीचे आडीटोरियम मे अपने मन को थिरकने से रोक न सकी। इसके पहले भगवान शिव की आराधना तथा गणेश स्तुति मे भी भक्तिभावना हर मन को आनंदातिरेक मे भर गयी दिखीं। सांस्कृतिक संध्या पर प्रस्तुति देने वाले कलाकारों प्रियंका सिंह, रवि त्रिपाठी तथा निधि श्रीवास्तव को बाबा घुइसरनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष व पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी ने आयोजन समिति की ओर से शॉल तथा महोत्सव स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सत्ताईसवें महोत्सव मे आचार संहिता को लेकर जहां विधायक मोना मंच साझा करती नहीं दिखी वहीं अफसरो को भी प्रशासनिक कैम्प मे व्यवस्था प्रबंधन के दायरे मे ही देखा गया। मेला मजिस्टेज्ट एसडीएम ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह, तहसीलदार जावेद अंसारी व पुलिस अफसर प्रशासनिक कैम्प से शांति व्यवस्था पर नजर जमाये दिखे।

सुपर स्टार प्रियंका सिंह व रवि त्रिपाठी ने बिखेरा जलवा

एकता महोत्सव में गीत गातीं भोजपुरी सुपर स्टार प्रियंका सिंह।

करपात्री महाराज स्नातकोत्तर में एनएसएस ने चलाया स्वच्छता अभियान

महाविद्यालय में आयोजित विशेष शिविर में मौजूद अतिथिगण।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्वामी करपात्री महाराज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीगंज में राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किया गया है। शिविरार्थियों द्वारा शिविर स्थल पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

तत्पश्चात बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डा विजय कुमार मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का अभियान को एक व्रत के रूप में स्वीकार करना होगा न कि एक वृत्ति के रूप में। हम सभी का यह प्रयत्न होना चाहिए कि सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास करके राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाएं। कार्यक्रम को डा अंशुमान सिंह, डा0 नीलिमा सिन्हा, डा0 शालिनी, डा0 अजय यादव, डा0 श्रद्धा, डा0 ज्योति आदि ने संबोधित किया। स्वागत भाषण डा श्याम नारायण यादव ने किया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डा गंगाराम वर्मा ने किया।

आत्महत्या करने आई किशोरी जीआरपी ने बचाई जान

अखंड भारत संदेश

चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म एक पर मिली लड़की को ले गये परिजन

प्रतापगढ़। राजकीय रेलवे पुलिस की सतर्कता से आत्महत्या करने आई एक किशोरी की जान जाने से बच गई। पुलिस ने उसे परिजनों को सौंप दिया। लोग पुलिस की सराहना कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार पद्माकरपुर मान्धाता इलाके की एक किशोरी प्रतापगढ़ स्टेशन के प्लेटफार्म एक के प्रवेश द्वार पर डरी सहमी खड़ी थी।

चेकिंग पर निकले सिपाही शिव नारायण की नजर उस पर पड़ी। शक होने पर उसे थाने ले आये। पूछने पर उसने बताया कि हर घरवालों से अजिज आकर ट्रेन से कटकर मरने आई है। उसके बताये पते पर एसओ पप्पू यादव ने फोन किया। परिजनों को घटना से अवगत कराया। सूचना मिलते ही परिजन सकते में आ गये। वे भागकर थाने पहुंच गये। पुलिस वालों ने किशोरी को समझा बुझाकर उनके साथ भेज दिया। एसओ ने बताया कि लड़की आत्महत्या करने के लिए आई थी। उसे परिजनों को सौंप दिया गया है।

सड़क के किनारे नाली की खोदाई करा कर छोड़ा, आवगमन हुआ बाधित

अखंड भारत संदेश

दो राजमार्गो को जोड़ती है सड़क, रानीगंज कैथौला बाजार का है मामला

लालगंज, प्रतापगढ़। सड़क के किनारे नाली की खोदाई करा कर छोड़ दिया गया है।खोदाई से निकली मिट्टी सड़क पर आने से राहगीरो को आने जाने में कठिनाई हो रही है। शिकायत के बावजूद कार्य अभी तक शुरू नही हो सका।

स्थानीय विकास खण्ड के कौशिल्यापुर के रानीगंज कैथौला बाजार में लखनऊ व लावाना राजमार्ग को जोड़ने वाली सड़क के किनारे पक्की नाली के निमार्ण के लिए खोदाई कार्य सुरू किया गया। आधी-अधूरी खोदाई करा कर ठेकेदार भाग खड़े हुए। भीड़-भाड़ वाली जगह होने के कारण बाजार वासियों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।जल निकासी के निदाद के लिए पक्की नाली का निर्माण कार्य सुरू होते ही अधर में कार्य रोकने से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। कार्यदायी संस्था द्वारा नाली निर्माण की बात तो दूर की है उसने आधी अधूरी खोदाई करा कर ही काम को बंद कर दिया। खोदाई में निकली मिट्टी सड़क पर रख दी गई है जिससे आवागमन भी बाधित हो रहा है। इसी मार्ग पर लगभग आधा दर्जन विद्यालय स्थित है। बच्चो के साथ राहगीरों का आना जाना दूभर हो गया है। बाजार के लोगों ने कई बार शिकायत की लेकिन उसका कोई असर नही है। इस संबध में प्रधान ददन सिहं का कहना है कि मेरे द्वारा कार्य नही कराया जा रहा है। यह कार्य संभवता ब्लाक प्रमुख द्वारा कराया जा रहा है। उधर खण्ड विकास अधिकारी अस्वनी सोनकर से पूंछा गया तो उन्होने इस संबध में कुछ भी नही बोले।

घायल की मौत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल की इलाज के दौरान मौत हो गयी। मृतक के पुत्र की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मंगलवार की रात गैरइरादतन हत्या तथा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का केस दर्ज किया है। कोतवाली के घरौरा अजगरा निवासी मो. आतिफ ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती उन्नींस फरवरी को उसका पिता घर से जरूरी काम बताकर बाहर निकला था। देर शाम तक उसका पता नही चला। शाम को फोन पर सूचना मिली कि सगरा सुंदरपुर बाजार मे किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल उसका पिता बेसुध पडा हुआ है। परिजन इलाज के लिए उसे स्वरूप रानी मेडिकल कालेज प्रयागराज ले गये। गंभीर रूप से घायल आरिफ ने घटना के दूसरे दिन इलाज के दौरान दम तोड दिया। अंतिम संस्कार करने के बाद मृतक के पुत्र ने कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

घर में घुस चोरी का प्रयास, पुलिस पकड़कर ले आई थाने

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बच्चों के साथ सो रही महिला के घर में घुसे एक चोर ने चोरी का प्रयास किया महिला के शोर मचाने पर चोर वहां से भागने में कामयाब हो गया लेकिन डायल 100 पुलिस ने उसे पकड़कर थाने ले आई है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के सरसतपुर गांव की रहने वाली रीता पत्नी शिव प्रसाद ने बताया कि एक मार्च की रात आठ बजे जब वह अपने बच्चों के साथ घर में सो रही थी तभी पड़ोस के गांव का एक आरोपी चोर उसके घर में घुस आया और उसका हाथ पकड़ कर घर से बाहर निकाल दिया और लाइट बुझाकर घर की चाबी मांगने लगा। पीड़ित महिला ने शोर मचाया तो उसके जेठानी की लड़का दिनेश पहुंचकर आरोपी चोर को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह भागने में सफल रहा। पीड़ित महिला ने डायल 108 पर फोन किया तो मौके पर पहुंचे पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित महिला ने इस संबंध में आरोपी चोर पर कार्रवाई की मांग की है।

पुरानी रंजिश में युवक को पीटकर किया जख्मी

पट्टी, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसियों ने युवक को जमकर मारा पीटा। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों की पिटाई से उसका पैर टूट गया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के मझौली गांव के रहने वाले सुनील यादव पुत्र राम मिलन यादव ने बताया कि एक मार्च को रात आठ बजे गांव के चार लोग एक राय होकर पुरानी रंजिश में उसे मारने पीटने लगे। पीड़ित ने शोर मचाया तो उपरोक्त लोग ईट लाठी-डंडों से मारकर उसका पैर तोड़ दिए। पीड़ित के परिजन उसे किसी तरह घर में खींच ले गए तो उपरोक्त लोग घर में घुसकर भी मारा पीटा। गांव वालों के हस्तक्षेप से उसकी जान बच सकती आरोपियों ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी है। पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दस्तार-दुमला विश्वस्तरीय प्रतियोगिता 13 को

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ। दस्तार/दुमला विश्वस्तरीय प्रतियोगिता 13 मार्च रविवार को गुरुद्वारा सिंह सभा व गुरूद्वारा नानकशाही प्रबंधक कमेटी प्रतापगढ़ के नेतृत्व में आयोजित की गई है। इसी कड़ी में प्रतियोगिता 13 मार्च रविवार को प्रातः 11 बजे से एक बजे तक होगी। विश्व स्तर की प्रतियोगिता में कुल 60 सेंटर बनाये गए हैं। प्रतापगढ़ सेंटर में प्रयागराज, सुल्तानपुर जौनपुर फैजाबाद के बच्चे व बच्चिया भाग ले सकते हैं। इसका रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन व ऑफलाइन कर सकते हैं। सेंटर के कोवाड़ीनेटर सरदार मंजीत सिंह गोबिन्द ने बताया कि प्रथम, द्वितीय, व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले का मुकाबला अमृतसर में विश्वस्तरीय प्रतिभागियों से होगा। गुरूद्वारा सिंह सभा मे प्रतियोगिता दोनो गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटियों की देख रेख में संम्पन्न होगा। रजिस्ट्रेशन शुल्क 150 रुपये हैं। यहाँ सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिए जाएगे। इस आयोजन में प्रतापगढ़ से प्रमुख रूप से गुरूद्वरा सिंह सभा के प्रधान सरदार कुलदीप सिंह, नानकशाही के प्रधान सरदार मंजीत सिंह छाबडा,व रघुवीर सिंह, सविन्दर सिंह, जगमीत सिंह सलूजा, परमप्रीत सिंह होंगे।

जमीनी रंजिश में युवक को पीटा

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के बेलारामपुर गांव में पड़ोसी दबंगों ने एक युवक को जमीनी विवाद में जमकर मारा पीटा पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाली क्षेत्र के बेलारामपुर गांव के रहने वाले विपिन पुत्र चिरंजीव चैरसिया ने बताया कि 28 फरवरी की दोपहर को उसके गांव के आधा दर्जन लोग उसके दरवाजे पर गाली देने लगे पीड़ित डर के नाते घर में भागा तो आरोपीगढ़ घर में घुसकर उसे मारपीट करने लगे अन्य परिवारीजन बीच बचाव करने आये तो उन्हें जख्मी कर दिया गया। पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के थाना हथिगवां से उ0नि0 श्री सुधांशू सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 224/2021 धारा 323, 304बी, 498ए, 504 भादंवि व धारा 3/4 डीपी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त मिथिलेश सरोज पुत्र स्व0 हरीलाल निवासी मिश्र दयाल का पुरवा थाना हथिगवां, जनपद प्रतापगढ़ को थाना क्षेत्र के खिदिरपुर चैराहे के पास से गिरफ्तार किया गया।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के थाना पट्टी से उ0नि0 श्री मनोज कुमार मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 440/2021 धारा 34, 498ए, 304बी भादंवि व धारा 3/4 डीपी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त आनन्द कुमार सिंह पुत्र उदय प्रताप सिंह निवासी ढिढुई थाना पट्टी को थाना क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ढिढुई के पास से गिरफ्तार किया गया।

महिला को पड़ोसियों ने पीटकर किया जख्मी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसियों ने एक महिला को जमकर मारापीटा, पीड़ित महिला ने थाने में तहरीर दी है। कोतवाली क्षेत्र के अशोकपुर गांव की रहने वाली गीता पत्नी धर्मेंद्र ने बताया कि बुधवार को सुबह नौ बजे उसके पड़ोसी चार लोग एक राय होकर उसे भद्दी भद्दी गालियां देने लगे और पीड़ित महिला को घसीटते हुए दरवाजे पर ले गए जहां उसकी पिटाई किए। बीच-बचाव करने वाले परिजनों को भी आरोपियों ने पीट दिया। गांव वालों ने हस्तक्षेप किया तब उसकी जान बच सकी पीड़ित महिला ने पड़ोसी आरोपियों के खिलाफ इंसाफ की गुहार लगाई है।

चार माह से बन्द पड़ी ऊँचाहार एक्सप्रेस ट्रेन पटरी पर दौड़ी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज लखनऊ रेलवे ट्रैक पर परियावां कालाकांकर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली 14217 अप व 14218 डाउन ऊँचाहार एक्सप्रेस ट्रेन बुधवार को चार माह बाद पटरी पर दौड़ी। ट्रेन के चलने से यात्रियों में उत्सुकता दिखाई दी। ट्रेन से सफर करने के लिए टिकट भी मिलने लगा है। ट्रेन के बन्द हो जाने से व्यापारियों के साथ यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि परियावां रेलवे स्टेशन से कानपुर सेंट्रल जाने आने के लिए कोई ट्रेन नही थी। ऊँचाहार कानपुर पैसेंजर ट्रेन कोरोना काल से बन्द पड़ी है जो अभी तक पटरी पर नही दौड़ सकी। कानपुर प्रयागराज इंटर सिटी एक्सप्रेस ट्रेन चल रही थी जिसका स्टॉपेज परियावां स्टेशन पर नहीं था। उक्त ट्रेन बुधवार की सुबह अपने निर्धारित समय से चढ़ीगढ़ से कानपुर ऊँचाहार परियावां कुंडा होते हुए प्रयागराज संगम पँहुची जहाँ से अपने निर्धारित समय से चंडीगढ़ के लिए रवाना हुई।

खबर संक्षेप

डीएम व एसपी ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा मण्डी समिति ओसा स्थित स्ट्रांग रूम ड्यूटी पर तैनात कर्मचारीगणों को चेक किया गया एंव उपस्थित लोगों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

शान्ती देवी कामगार फाउंडेशन के नेतृत्व में विज्ञान गोष्ठी प्रतियोगिता आयोजित

कौशाम्बी। श्री श्याम नारायण करवरिया पूर्व माध्यमिक विद्यालय भगवतपुर में 4 मार्च को 10 बजे से नेहरू युवा केंद्र द्वारा विज्ञान गोष्ठी प्रतियोगिता आयोजित किया जाएगा जिसमें जिले के समस्त विद्यालयों के छात्र -छात्राओं को भाग ले कर अपने हुनर को सम्मानित करने का सुनहरा अवसर होगा यह प्रतियोगिता शान्ती देवी कामगार फाउंडेशन के डायरेक्टर प्रकाश दुबे के नेतृत्व में की जा रही है इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा छात्र छात्राओं को विज्ञान के विषय में जानने को मिले और अधिक से अधिक जानकारी वा जागरूकता बढ़े यही इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य है यह प्रतियोगिता सत्यम केसरवानी संकल्प त्रिपाठी कौशिक त्रिपाठी विजय मिश्रा माता प्रसाद सिंह जितेन्द्र कुमार मुहम्मद मुकीम आदि जनों की उपस्थिति में आयोजित होगी।

ट्रेन की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत

रेल हादसे के बाद घटनास्थल पर लगी भीड़

सड़क हादसे के बाद घटनास्थल पर लगी भीड़

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पूरामुफ्ती थाना अंतर्गत मनौरी रेलवे क्रासिंग के पास एक युवक ट्रेन हादसे का शिकार हो गया है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मचा है।

घटनाक्रम के मुताबिक संजीव कुमार उर्फ सोनू पासी पुत्र स्व0 संतोष कुमार पासी निवासी तकीगंज मनौरी अपने घर से बुधवार की दोपहर दिन में 1:00 बजे किसी काम से निकला था मनौरी रेलवे लाइन पार करते समय ट्रैन 04142 से वह टकरा गया ट्रेन का टक्कर लगते ही मौके पर ही उसकी मौत हो गई खबर सुनकर परिवारीजन मौके पर रोते बिलखते पहुचे हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर आरपीएफ के सिपाही भी पहुचे और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाइक सवार को ई-रिक्शा चालक ने टक्कर मारी दो घायल

कोखराज। कौशांबी कोखराज थाना क्षेत्र के कोखराज चौराहा में बाइक सवार को ई रिक्शा चालक ने जोर दार टक्कर मार दी है हादसे में बाइक सवार वा ई रिक्शा चालक को गंभीर चोटें आई हैं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है हादसे की जानकारी परिजनों को दी गयी सूचना पा कर मौके पर कोखराज पुलिस पहुँची है। घटनाक्रम के मुताबिक कोखराज चौराहे पर बाइक सवार और ई रिक्शा चालक आमने-सामने टकरा गए हैं जिससे बाइक सवार और रिक्शा चालक को गंभीर चोटें आई हैं सूचना पाकर मौके पर कोखराज पुलिस पहुंच गई है हादसे की जानकारी घायलों के परिजनों को दी गई है पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है हादसे में घायल बाइक सवाल का नाम पता नहीं मिल सका है और हादसे में घायल श्याम लाल रिक्सा चालक छोटी धन्नी का बताया जा रहा हैं।

न्यूज झरोखा

बढ़ते साइबर अपराधों से बचे : डीजीपी

साइबर सेल द्वारा छात्रों को किया गया जागरूक

कौशाम्बी। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा बढ़ते साइबर अपराधों को कम करने के लिये सार्वजनिक स्थानों में साइबर अपराध से जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया है. जिसमें पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन मे जिला शिक्षा एंव प्रशिक्षण संस्थान में साइबर जागरूकता दिवस में साइबर क्राइम सेल द्वारा साइबर अपराध जैसे एटीएम कार्ड में स्कीमिंग यूपीआई गॉड फेसबुक केवाईसी फ्रॉड व अन्य विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध से सम्बन्धित अपराधों के बारे में जागरूक किया गया जिससे आम नागरिक साइबर फ्राड से बच सके इस जागरूकता कार्यक्रम में डाइट कालेज के प्राचार्य अनिल कुमार डॉक्टर संदीप कुमार तिवारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार व अन्य शिक्षकगण कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित रहे जिसमें कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये साइबर अपराध से सम्बन्धित सवालों का जबाब दिया गया उक्त प्रशिक्षण जागरूकता सभी के लिये भविष्य में हितकर एंव लाभदायक रहेगा।

होटल से 60 किलो राशन चोरी करने वाले तीन चोर गिरफ्तार

कल्यानपुर कौशाम्बी। कोखराज थाना के चौकी टेडीमोड शहजादपुर के अंतर्गत ककोड़ा के पास स्थित श्री राम बिहारी होटल से दो दिन पहले राशन चावल आटा लगभग 60 किलो की चोरी करने के आरोप में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है उनके हवाले से चोरी का आटा और चावल बरामद किया है पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। घटनाक्रम में बताया जाता है कि ककोड़ा स्थित श्री राम बिहारी होटल से 2 दिन पहले चावल आटा सहित 60 किलो सामान चोरी किया गया था होटल मालिक ने चौकी टेडीमोड में लिखित प्रार्थना पत्र दिया जिस पर चौकी इंचार्ज ने छानबीन शुरू कर दिया ।होटल से राशन की चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया है तीनों अभियुक्तों में बबलू पटेल पुत्र शालीकराम पटेल,उमेश कुमार पटेल पुत्र स्वर्गीय राजलाल पटेल एवं रामबाबू सरोज स्वर्गीय रोशन लाल सरोज निवासी कल्याणपुर को लिखा पढ़ी करके जेल भेज दिया है।

संस्थागत प्रसव को ही प्राथमिकता दें : सीएमओ

आशाएं घर-घर जाकर कर रहीं नवजात की देखभाल, मां को दे रही ट्रेनिंग

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। हर नवजात को बेहतर देखभाल की जरूरत पड़ती है। संस्थागत प्रसव के मामलों में शुरूआती दिनों में अस्पताल में और डिस्चार्ज के बाद तक मां व नवजात का खास ख्याल रखा जाता है लेकिन गृह प्रसव में देखभाल में लापरवाही की आशंका बनी रहती है। इसलिए संस्थागत प्रसव को ही प्राथमिकता देना चाहिए उक्त बातें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के सी राय का। सीएमओ ने कहा उन्होंने बताया कि शिशु जन्म के शुरूआती 42 दिन अति महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान उचित देखभाल के अभाव में शिशु के मृत्यु की आशंका अधिक होती है। ऐसे में होम बेस्ड न्यू बोर्न केयर (एचबीएनसी) यानि गृह आधारित नवजात देखभाल कार्यक्रम काफी कारगर साबित हो रहा है। इस कार्यक्रम के तहत संस्थागत प्रसव एवं गृह प्रसव दोनों स्थितियों में आशा घर जाकर 42 दिनों तक नवजात की देखभाल करती है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के साल 2020-2021 की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 50.4 शिशु मृत्युक दर(एक हजार प्रति शिशु) है। तो वहीं साल 2015-2016 में शिशु मृत्युद दर (आईएमआर) 64 शिशु प्रति हजार थी। एनएफएचएस-5 के अनुसार 70 प्रतिशत नवजात शिशु को जन्म के 48 घंटों के भीतर गृह आधारित नवजात देखभाल की सुविधा मिली है।

गृह आधारित नवजात देखभाल पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के सी राय ने बताया कि नवजात देखभाल के दौरान आशाओं द्वारा किए जा रहे गृह आधारित नवजात देखभाल पर अधिक जोर दिया जाता है। इसके लिए आशाओं को निर्देशित भी किया गया है कि वह गृह भ्रमण के दौरान नवजातों में होने वाली समस्याओं की अच्छे से पहचान करें एवं जरुरत पड? पर उन्हें रेफर भी करें। डी.सी.पी.एम संजय ने बताया कि आशाएं गृह भ्रमण के दौरान ना सिर्फ बच्चों में खतरे के संकेतों की पहचान करती हैं, बल्कि माताओं को आवश्यक नवजात देखभाल के विषय में जानकारी भी देती हैं। ब्लाक मंझनपुर कोतरी पश्चिम क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता सुनीता प्रजापति ने बताया कि एचबीएनसी कार्यक्रम के कारण जन्म के बाद शिशुओं में होने वाली जटिलताओं का भी पता चलता है। जिसका समय संभव इलाज किया जाता है। हम संस्थागत एवं गृह प्रसव दोनों स्थितियों में गृह भ्रमण कर नवजात शिशु की देखभाल करती है। एचबीएनसी के दौरान 7 बार (जन्म के 1, 3, 7,14, 21, 28 एवं 42 वें दिवस पर) गृह भ्रमण करते हैं हैं लाभार्थी विमला देवी उम्र 30 वर्ष ने बताया कि आशा बहन ने हमें नवजात शिशु की देखभाल करने के बारे में बताया। उन्होंने बच्चे के जन्म के बाद घर पर आकर हमें जरूरी जानकारी दी। उन्होंने बच्चे नाभि पर कोई तेल इत्यादि नही लगाना है। उन्होंने बताया कि बच्चे को कैसे सर्दी से बचाना है कम्बल का प्रयोग, हाथों को साफ करने के बाद ही स्तनपान कराना एवं समय से टीकाकरण करने की जानकारी दी।

इस स्थिति में बच्चे को एसएनसीयू में करें संदर्भित

कौशाम्बी। डी.सी.पी.एम संजय ने बताया कि शिशु का वजन जन्म के समय 1800 ग्राम से कम, समय से पूर्व जन्में शिशु, छूने पर ठंडा या गरम लगे, आँख और शरीर पीला या शरीर नीला दिखता हो, सांस लेने में परेशानी हो, स्तनपान में कठिनाई, त्वचा पर दस से अधिक फुंसियां या फिर एक बड़ा फोड़ा दिखाई दे, सांस तेज चलती हो, या छाती धंसी लगे, नवजात सुस्त-बेहोश लगे, दौरा पड़ता हो, पेट फूला लगे, दस्त या पेचिश हो, किसी अंग से रक्तस्राव, कटा-फटा होंठ, चिपका तालू, सर में गाँठ दिखे तो उन्हें तुरंत एस.एन.सी.यू. रेफर करना और उनकी अधिक देखभाल करने की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम का यह उद्देश्य है कि सभी नवजात शिशुओं को अनिवार्य नवजात शिशु देखभाल सुविधाएं उपलब्ध कराना एवं जटिलताओं से बचाना समय पूर्व जन्म लेने वाले नवजातों एवं जन्म के समय कम वजन वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर उनकी विशेष देखभाल करना नवजात शिशु की बीमारी का शीघ्र पता कर समुचित देखभाल करना एवं रेफर करना परिवार को आदर्श स्वास्थ्य व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना एवं सहयोग करना मां के अंदर अपने नवजात स्वास्थ्य की सुरक्षा करने का आत्मविश्वास एवं दक्षता को विकसित करना ही स्वास्थ्य मंत्रालय के मुख्य उद्देश्य है।

कोरोना के दृष्टिगत की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद में लाकठाउन के सरकार द्वारा निर्गत निदेशों के अनुपालन के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार जनपद स्तर पर विभिन्न थानों द्वारा अनावश्यक रूप से बाहर घूमना मास्क न लगाने एवं सोशल डिस्टेसिंग का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया, जिनमें 57 वाहनों का ई चालान किया गया एवं 03 वाहनों का चालान कर 1500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया साथ ही बिना मास्क लगाये घूमने एवं सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का उल्लंघन करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये 02 व्यक्तियों से 200 रुपये जुमार्ना वसूला गया

गाजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा अभियुक्त बंगाली उर्फ मो० खालिक पुत्र अब्दुल मजीद निवासी कल्यानपुर मजरा अहिरारा थाना कोखराज को 450 ग्राम नाजायज गाजा के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है।

पण्डित बनिया क्षत्रिय का सांसद ने किया घोर अपमान

सांसद विनोद सोनकर ने धर्म को नहीं पढ़ा सनातन धर्म को भी जानने की कोशिश नहीं की बौद्धिक ग्रंथों को यदि सांसद ने पढ़ा होता तो इन्हें इतिहास की जानकारी होती, कौशांबी के ब्राह्मण ठाकुर और बनिया समाज के विरोध के बाद विनोद सोनकर को बगिया जाने की फिर हो जाएगी व्यवस्था

कौशाम्बी। ब्राह्मण क्षत्रिय बनिया पर अभद्र टिप्पणी करने वाले सांसद विनोद सोनकर यह विचार करें कि बगिया की रखवाली से देश की सर्वोच्च पंचायत संसद भवन तक की नुमाइंदगी का मौका ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य के सहयोग से ही विनोद को मिला है सुरक्षा धन और बुद्धि का सहयोग कर सांसद विनोद सोनकर को देश की सर्वोच्च पंचायत तक पहुंचाने में पंडित क्षत्रिय बनिया ने भरपूर सहयोग किया थोड़े धन के बाद सांसद विनोद सोनकर की भाषा बदल गई है इनमें घमंड की बू आ रही है संप्रभुता और मान सम्मान इन्हीं तीनों जातियों के बल पर सांसद को मिला है लेकिन उसके बाद भी सांसद बौरा गए हैं। एक सभा के दौरान सांसद विनोद सोनकर ने कहा कि सोनकर ऐसी जाति है जिसने धर्म परिवर्तन नहीं किया है सूअर पालन करना स्वीकार कर लिया है उन्होंने ब्राह्मणों के प्रति टिप्पणी करते हुए कहा कि ब्राह्मण धर्म परिवर्तन कर सैयद बन गए हैं और क्षत्रिय धर्म परिवर्तन कर पठान बन गए हैं बनिया के बारे में सांसद ने कहा कि धर्म परिवर्तन कर बनिया अंसारी बन गए देश की आजादी में हजारों साल मुगलों से लड़ने का योगदान उन्होंने खटीक समाज को दे दिया है उन्हें इतिहास भूगोल का ज्ञान नहीं है सवाल उठता है कि सांसद विनोद सोनकर ने धर्म को नहीं पढ़ा है सनातन धर्म को भी इन्होंने जानने की कोशिश नहीं की है बौद्धिक ग्रंथों को यदि सांसद ने पढ़ा होता तो इन्हें इतिहास भूगोल की जानकारी होती आजादी में किसने योगदान दिया है विनोद सोनकर को सांसद बनने के बाद भी जानकारी नहीं है सवर्ण समाज को अपमानित करने वाले बयान देकर सांसद ने आजादी के वीरों शहीदों का अपमान किया है बलिदानियो का अपमान समाज नहीं बर्दाश्त करेगा खुले मंच से पंडित बनिया क्षत्रिय का सांसद विनोद सोनकर द्वारा अपमान किये जाने के बाद पंडित क्षत्रिय बनिया समाज में आक्रोश व्याप्त है आम जनमानस द्वारा दिए गए सम्मान की सुरक्षा सांसद नहीं कर पाए तो जो अन्य राजनीतिक दल के लोगों की दुर्गति हुई है 2024 में उस दुर्गति के लिए सांसद विनोद सोनकर तैयार रहें थोड़े धन मिलते ही अमर्यादित भाषा का प्रयोग सांसद ने शुरू कर दिया है और इस भाषा मे सुधार नहीं किया तो कौशांबी के ब्राह्मण ठाकुर और बनिया समाज के विरोध के बाद इनकी बगिया जाने की व्यवस्था फिर हो जाएगी।

पंडित बनिया क्षत्रिय ने कहा सांसद को बगिया भेजने की फिर होगी तैयारी

कौशाम्बी। पंडित क्षत्रिय बनिया के बारे में सांसद विनोद सोनकर द्वारा अमर्यादित टिप्पणी किए जाने के बाद अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के अध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने कहा है कि इन्होंने सवर्ण समाज का अपमान किया है और इन्हें अपमान का बदला चुकाना पड़ेगा ब्राह्मण एकता परिषद के जिला प्रमुख अजय मिश्रा कोषाध्यक्ष अमित त्रिपाठी एडवोकेट अंकित त्रिपाठी मनदीप अवस्थी श्रवण कुमार मिश्रा अरविंद मिश्रा सहित तमाम लोगों ने सांसद विनोद सोनकर द्वारा पंडित क्षत्रिय और बनिया के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी पर उनकी निंदा करते हुए कहा कि पंडित बनिया और क्षत्रिय ने इन्हें देश के सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा तक पहुंचाया है तो पंडित बनिया और क्षत्रिय इन्हें फिर गांव की बगिया तक पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष से हुई शिकायत

कौशांबी अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने बैठक कर सांसद का बहिष्कार करने का निर्णय लिया और अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने पंडित क्षत्रिय बनिया को सांसद विनोद सोनकर द्वारा अपमानित करने के मामले की शिकायत राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से की है।

दिल्ली से भागे प्रेमी युगल अझुवा पुलिस की गिरफ्त में

आपत्तिजनक स्थिति में पायल को सुबोध के साथ पकड़ने पर कुछ दिनों के लिए परिजनों ने उसे इटावा भेज दिया था

अखंड भारत संदेश

पुलिस हिरासत में प्रेमी युगल

अझुवा कौशाम्बी। दिल्ली से भागकर प्रेमी युगल बिहार जा रहे थे लेकिन उन्हें अझुवा पुलिस ने धर दबोचा है अझुवा पुलिस ने प्रेमी युगल के परिजनों और दिल्ली पुलिस को मामले की सूचना दे दी है सूचना मिलने के बाद प्रेमी युगल के परिजन और दिल्ली पुलिस कौशांबी के लिए चल पड़ी है देर रात तक कौशांबी आने की संभावनाएं हैं। जानकारी के अनुसार आरा विहार के मूल निवासी सुधीर कुमार दिल्ली के द्वारिका पुरी में परिवार सहित रहते है उनके पड़ोस में इटावा के रविन्द्र कुमार भी दिल्ली के द्वारिकापुरी में परिवार सहित रहते है सुधीर का बेटा सुबोध और रविंद्र की बेटी पायल की नजर एक दूसरे पर लग गई और दोनों एक दूसरे को दिल दे बैठे आपत्तिजनक स्थिति में पायल को सुबोध के साथ पकड़ने पर कुछ दिनों के लिए परिजनों ने उसे इटावा भेज दिया था लेकिन इटावा से लौटने के बाद पायल सुबोध से मिलना बंद नहीं किया परिजन बराबर रोक लगाते रहे परिजनों के बंदिश से ऊब कर सुबोध और पायल ने एक होने का निर्णय कर लिया और परिजनों की नजर बचा कर मंगलवार को लग्जरी कार में सवार होकर प्रेमी युगल बिहार के लिए निकल पड़े हैं अझुवा पहुंचने पर प्रेमी युगल ने शराब की बोतल खरीदी और नशे की हालत में वह मोबाइल की दुकान पर पहुंचे और सिम खरीदने लगे इसी बीच किसी ने मामले की सूचना पुलिस को दे दिया सूचना मिलते ही अझुवा पुलिस ने प्रेमी युगल को अपने हिरासत में ले लिया मामले की जानकारी दिल्ली पुलिस को दे दी है देर रात तक दिल्ली पुलिस के साथ प्रेमी युगल के परिजन अझुवा आ सकते हैं अझुवा पुलिस के मुताबिक बालिका नाबालिग है और युवक उसे भगा कर ले जा रहा था।

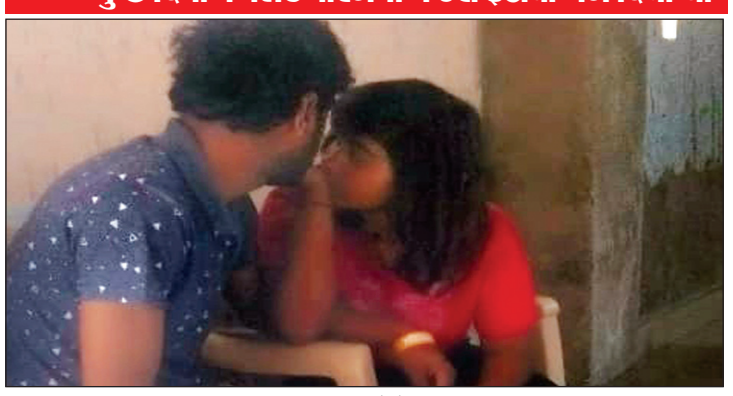

एक ही आशिक से प्रेम करने वाली दो सगी बहनों ने आशिक पर दर्ज कराया मुकदमा

आशिक को प्रेमिका के पड़ोसी दुश्मन से मित्रता करना पड़ा भारी प्रेमिकाओ ने आशिक व पड़ोसी दुश्मन पर लिखवाया मुकदमा

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के एक गांव की दो सगी बहनों ने अपने आशिक के ऊपर गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया है। दोनों बहनों ने अपने आशिक के ऊपर 15 दिन के अंतराल में एक ही धारा में मुकदमा पंजीकृत कराया है। दोनों सगी बहन एक ही युवक से प्रेम कर रही थी बड़ी बहन शादी शुदा होने के बाद भी युवक से आशिकी फरमाया करती थी। घटनाक्रम के अनुसार आशिक युवक मनौरी का रहने वाला है प्रेमिका बहनों के बुलाने पर प्रेमी युवक अक्सर सराय अकिल थाना क्षेत्र के प्रेमिका के गांव आया जाया करता था आते जाते प्रेमिका के पड़ोस में रहने वाले प्रेमिका के दुश्मन से प्रेमी युवक की दोस्ती हो गई कुछ दिनों बाद आशिक की दोस्ती की जानकारी अपने दुश्मन से हुई तो प्रेमिकाए आशिक पर दबाव बनाने लगी जिस दबाव का आशिक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सका जिसके बाद अपने ही आशिक के ऊपर एक ही महीने मे अलग-अलग तारीख को छेड़खानी की धाराओं मे मुकदमा लिखवाया है। प्रेमिकाओ ने आशिक के मित्र के अपने दुश्मन पड़ोसी युवक को भी मुकदमे मे फसा दिया। सच्चाई पर गौर करें तो दोनों सगी बहनों का मनौरी के एक युवक से लंबे समय से लव रिलेशन चला रहा है। जिनका प्रेम प्रसंग काफी दिनों से चल रहा था दोनों बहने आशिक युवक से फोन पर अश्लील वीडियो कॉल किया करती थी प्रेमी को यह नहीं पता था कि इन प्रेमिका वाहनों का अपने पड़ोसी युवक के परिवार से दुश्मनी भी है आशिक को दुश्मन के साथ देख कर दोनो बहने आशिक पर आग बबूला हो गई और आशिक को सबक सिखाने के लिए ठान लिया जिसके बाद एक कुंवारी बहन ने आशिक के साथ पड़ोसी दुश्मन युवक के ऊपर छेड़खानी की धारा में अभियोग पंजीकृत कराया है। जिसके कुछ दिन बाद दूसरी विवाहिता बहन ने आशिक के साथ पड़ोसी दुश्मन युवक के ऊपर छेड़खानी का अभियोग स्थानीय थाना में पंजीकृत कराया है।

दर्जनों चोरियों को पचा गई है मखदूमपुर चौकी पुलिस

अपराधों से दहल रहा मखदूमपुर पुलिस चौकी क्षेत्र खुलासे में पुलिस फिसड्डी

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के मखदूमपुर पुलिस चौकी अंतर्गत कई गांव में दर्जनों चोरी की घटनाओं को चौकी पुलिस पचा गई है अपराधियों को बचाने वाली चौकी पुलिस के कारनामों को महीनों बीत जाने के बाद आला अधिकारियों से संज्ञान नहीं लिया है एक ओर जहां अपराधियों के हौसले बुलंद है वहीं दूसरी ओर पीड़ित परिजनों का चोरी गया सामान नहीं बरामद हो सका है चौकी पुलिस के कारनामे पर आला अधिकारी भी मौन है जिससे अपराधी बेखौफ क्षेत्र में घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं ग्रामीणों ने डीजीपी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए चौकी पुलिस पर कार्रवाई की मांग की है क्षेत्र में बढ़ते अपराध और अपराधियों से इलाके की जनता दहल रही है अपराधी आए दिन घटनाओं को अंजाम देकर मौज कर रहे हैं और पुलिस संगठित अपराध की वसूली में व्यस्त है मखदूमपुर पुलिस चौकी की हालत यह है कि अपराधों को अभिलेखों में दर्ज नहीं किया जा रहा है जिससे आला अधिकारियों के संज्ञान में अपराध नहीं पहुंच रहा है इलाके में बढ़ते अपराध से आम जनता त्राहि त्राहि कर रही है इलाके में दर्जनों चोरी की घटनाओं का खुलासा पुलिस नहीं कर सकी है तमाम घटनाएं पुलिस अभिलेख में नहीं दर्ज की गई है घटनाओं के खुलासे के लिए पीड़ित बार-बार पुलिस से संपर्क स्थापित कर रहा है लेकिन पुलिस घटनाओं के खुलासे में रत्ती भर आगे नहीं बढ़ सकी है।

पिपरी थाना क्षेत्र के मखदूमपुर पुलिस चौकी के उप निरीक्षक और सिपाहियों का भी कारनामा बेहद निराला है इलाके में दर्जनों चोरियां होने के बाद घटनाओं को अभिलेखों में नहीं दर्ज किया है पीड़ित घटनाओं को दर्ज कराने के लिए पुलिस के चक्कर काट रहे हैं तमाम बड़ी घटनाओं का खुलासा पुलिस नहीं कर सकी है चौकी पुलिस बालू के अवैध परिवहन अवैध खनन समेत जुआ शराब के अड्डे गांजा के अड्डे सहित तमाम संगठित अपराधों से हिस्सा वसूलने में व्यस्त है चोरी की घटनाओं में लिप्त पेशेवर अपराधियों से भी चौकी पुलिस हिस्सा वसूल कर अपराधों पर पर्दा डालने का काम कर रही है कई थानों में हत्या डकैती लूट अपहरण का नामजद अभियुक्त इन दिनों मखदूमपुर पुलिस चौकी का सहयोगी बना है जो बड़ी चर्चा का विषय बन गया है जिस व्यक्ति पर इलाके के दर्जनों घर में चोरी करने का आरोप है वह व्यक्ति पुलिस चौकी की शोभा बढ़ा रहा है चोरी के मामले में बदनाम अभियुक्त आए दिन पुलिस चौकी के संपर्क में देखा जाता है लेकिन उसके बाद भी आरोपी पर कार्यवाही करने के बजाए उसे बचाने का प्रयास चौकी पुलिस कर रही है मखदूमपुर पुलिस चौकी के कारनामे से खाकी वर्दी कलंकित हो रही है जो बड़ी जांच का विषय है इलाके में बालू के अवैध कारोबारियों और संगठित अपराधों से वसूली में चौकी पुलिस व्यस्त है ग्रामीणों ने आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए चोरी की घटनाओं के खुलासे की मांग की है।

घटनाक्रम में बताते चलें कि पिपरी थाना क्षेत्र के मखदूमपुर पुलिस चौकी अंतर्गत खटंगी और तलरी ग्राम सभा में रमेश पुत्र सुंदर की परचून की दुकान कर 10 महीने पहले तीस हजार रुपए से अधिक का सामान चोर उठा ले गए थे इस मामले में भी चर्चित चोर का नाम प्रकाश में आया मामले में रत्ती भर पुलिस आगे नहीं बढ़ सकी इसी पुलिस चौकी के अंतर्गत तियरा गांव में उम्मे की दीवाल फांद कर 25 हजार रुपए से अधिक का सामान चोर उठा ले गए थे खटंगी तलरी निवासी छेददन उर्फ मैना की बेटी की शादी की तैयारी चल रही थी घर में जेवर कपड़ा बर्तन नगदी रखे थे मौका पाते ही चोर घर से लाखों रुपए कीमत का जेवर नगदी कपड़ा बर्तन उठा ले गए घटना को एक वर्ष से अधिक का समय बीत गए लेकिन घटना का खुलासा नहीं हो सका इसी चौकी के तलरी निवासी सुमन देवी पत्नी रामचंद्र के घर सेंध लगाकर 50 हजार रुपए कीमत का जेवर नगदी आदि सामान चोर उठा ले गए हैं इस घटना को भी 5 महीने से अधिक बीत चुके हैं लेकिन खुलासा नहीं हुआ है।

इलाके के संतोष कुमार पुत्र भाई लाल अमृत लाल पुत्र सहदेव चंद्रपाल पुत्र बचान मुन्ना पुत्र पृथ्वीपाल और मुनीम सहित इलाके के कई लोगों के साथ पेशेवर अपराधियों ने घटनाओं को अंजाम दिया है मामले में नामजद तहरीर पड़ी हैं लेकिन किसी मामले में पुलिस ने नामजद व्यक्ति को गिरफ्तार नही किया है जिस व्यक्ति पर चोरी करने का आरोप है उसका एक साथी लड़की को अपहरण करने के मामले में नामजद मुलजिम है। धूमनगंज पूरामुफ्ती पिपरी सहित कई थानों में हत्या लूट अपहरण डकैती चोरी के दर्जनों मामले दर्ज हैं ग्रामीण पेशेवर अपराधी का नाम लेने से भय खाते हैं लेकिन यह चौकी पुलिस का मित्र बना हुआ है और इसी के साथी मन्नू पर लगातार है चोरी करने का आरोप है जिसे पुलिस संरक्षण दे रही है मखदूमपुर पुलिस चौकी के कारनामे को क्या आला अधिकारी संज्ञान लेकर घटनाओं का खुलासा करते हुए पेशेवर अपराधियों पर कठोर कार्यवाही करेंगे या फिर अपराधी अपराध कर आम जनता का जीना दुश्वार कर देंगे और चौकी पुलिस चोरी की घटनाओं में हिस्सा वसूलती रह जाएगी।

संपादकीय

पूर्वांचल में व्यवस्थाओं में हुआ सुधार

पूर्वी उत्तर प्रदेश दशकों से उपेक्षित था। इस कारण यह क्षेत्र विकास की दृष्टि से पिछड़ गया। अनेक समस्याओं के कारण यहां का जनजीवन प्रभावित रहा। अनेक समस्याएं तो चार दशकों से लंबित थीं। पहले विकास कार्यों की कृपा कुछ विशेष जनपदों व क्षेत्रों तक सीमित हुआ करती थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद ही योगी आदित्यनाथ ने इस प्रचलित मान्यता को बदल दिया। विगत पांच वर्षों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में विकास के व्यापक कार्य हुए। यहां के लोग अनेक योजनाओं से लाभान्वित हुए। गोरखपुर में अनेक परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ। इनका लाभ पूरे पूर्वांचल को मिलेगा। यहां के लोगों ने तीन दशक से बन्द खाद कारखाने व एम्स के निर्माण की उम्मीद छोड़ दी थी। योगी सरकार ने इस अधूरे सपने को साकार किया। वर्तमान सरकार ने सभी अवैध बूचड़खाने बंद कर दिये। तय किया गया कि गौ माता को कटने नहीं देंगे। साथ ही अन्नदाता किसान की फसल भी बर्बाद नहीं होने देंगे। यह चुनाव विकास और शासन की कल्याणकारी योजनाओं पर हो रहा है। हर गरीब को मकान, शौचालय, वृद्धजन, दिव्यागजन को पेंशन और उपचार की सभी सुविधा मिल रही है। पिछली सरकार ने तो वृद्धजन तक की पेंशन बन्द कर दी थी। योगी सरकार ने वृद्ध,दिव्यांग और विधवाओं की पेंशन को बढ़ा कर लागू किया।एक करोड़ ऐसे लोगों को वर्ष में बारह हजार रुपये प्रदान किये जा रहे हैं। इस राशि को बढ़ाकर अठारह हजार रुपये वार्षिक किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज पर्व और त्योहार शांति से मनाये जा रहे हैं। कोरोना कालखंड के दैरान माह में दो बार राशन के साथ दाल,तेल और नमक भी दिया जा है। बेटी के विवाह के लिए दी जाने वाली 51 हजार रुपये की कन्यादान राशि को बढ़ाकर एक लाख रुपये किया जाएगा। मेधावी बेटी को मुफ्त में स्कूटी और बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की शिक्षा के लिए दी जा रही 12 हजार की रकम को बढ़ाकर 25 हजार रुपये किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ सुशासन के लिए विकास व बुलडोजर दोनों का महत्व प्रमाणित कर रहे हैं। बुलडोजर से माफिया की अवैध कमाई सरकारी खजाने में वापस आती है। इससे गरीब कल्याण के कार्य होते हैं। योगी अपनी जन सभाओं में संबंधित क्षेत्र के विकास का उल्लेख अवश्य करते हैं। उनके पास प्रत्येक क्षेत्र के सम्बन्ध में बताने के लिए बहुत कुछ होता है। पहले मुख्यमंत्रियों का भाषण इस प्रकार का नहीं होता था। योगी ने कहा कि सरकार सहजनवां में श्रमिकों और अनाथ बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय खोल रही है। दो- दो फोर लेन से यह क्षेत्र जुड़ रहा है। इसके बाद यहां से वाराणसी की दूरी दो घंटे में पूरी की जा सकेगी। बलरामपुर में 40 वर्षों से लंबित परियोजना चार साल में पूरी की गई। सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना इसका प्रमाण है। आज यहां सड़क, बिजली, स्कूल,कॉलेज, पॉलिटेक्निक जैसी परियोजनाओं के साथ मेडिकल कॉलेज भी बन रहा है। सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना के पूर्ण होने से बलरामपुर के खेत और उपजाऊ हो गए हैं। यहां की जमीन की कीमत बढ़ने लगी है। गोंडा से तुलसीपुर आने में तीन घण्टे लग जाते थे लेकिन अच्छी सड़कें बन जाने से अब महज 45 मिनट लगते हैं। एक करोड़ नौजवानों को मुफ्त में स्मार्टफोन व टैबलेट प्रदान की गई। सपा ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग में की तो सरकार ने यह तय किया है कि चुनाव बाद फिर से भाजपा सरकार बनने पर आने वाले समय में यह संख्या बढ़ाकर दो करोड़ करेंगे।

हिजाब या किताब, थम नहीं रहा बवाल

चेतनादित्य आलोक

उल्लेखनीय है कि जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में राजनीतिक अपराधियों दंगा. ब्रिगेडों उपद्रवियों गुंडों .मवालियों और आतंकवादियों के विरूद्ध योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कड़े कानूनी कदम उठाकर एक मिसाल कायम की हैए उससे जन.साधारण के मन में यह विश्वास पैदा हुआ है कि यदि सरकार चाहे तो देश और समाज में अमन.चैन कायम रह सकता है। इसलिए आवश्यकता है कि उत्तर प्रदेश सरकार की भांति अब पूरे देश में राजनीतिक अपराधियोंए दंगाइयोंए उपद्रवियोंए गुंडों .मवालियों और आतंकवादियों के विरूद्ध कड़े कानूनी कदम उठाये जायें। इसके लिए यदि जरूरी हो तो राज्यों में तथा राष्ट्रीय स्तर पर नये कानून भी बनाये जाने चाहिए

एक बार फिर देश में हंगामा बरपा है। लोग सड़कों पर निकल कर बवाल काट रहे हैं। उन्हें देख कर ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो चुनावी फसलें तैयार होने के बाद राजनीतिक किसान उसे काटने के लिए सड़कों पर उतर आये हों। महज कुछ महीनों के अंतराल पर वे लोग सड़कों पर आने का कोई.न.कोई बहाना ढूंढ ही लेते हैं। कभी आतंकी अफजल की फांसी का विरोध तो कभी बाटला हाउस एनकाउन्टर का विरोध कभी सीएए और एनआरसी का विरोध तो कभी किसान आन्दोलन। देश को याद है कि पिछली बार उन्होंने दिल्ली के शाहीनबाग से शुरू होकर कैसे देश के कई शहरों में नये.नये शाहीनबाग तैयार कर लिए थेए बहाना था सीएए और एनआरसी का विरोध जबकि सीएए और एनआरसी से उनको किसी प्रकार का कोई भी खतरा नहीं सीएए से तो उनका कोई संबंध भी नहीं है। बहरहालए आन्दोलनों वाली उनकी कारीगरी को देख कर उनके समर्थकए सहयोगी और चाहने वाले बड़े प्रसन्न रहने लगे हैं।

अब एक बार फिर देश को सुलगाने की वैसी ही कोशिशें की जा रही हैं। एक बार फिर दिखने लगा है उनका वही रंग.ढंग वही तौर.तरीका वही लब्बोलुआब और वही अंदाज.ए.बयां लेकिन इस बार बहाना है हिजाब। यानी अब हिजाब का रंग बदलकर राजनीतिक हो गया है। एक बात और कि अब यह सिर्फ पहनने के ही काम नहीं आताए बल्कि सड़कों पर शक्ति.प्रदर्शन करने के काम भी आता है। हालांकि इस मामले में बेहतर तो ये होता कि हिजाब को लेकर सड़कों पर उतरी हमारी मुसलिम बहन.बेटियों से पूछा जाता कि दो में से क्या तुम्हें चाहिए किताब या हिजाब लेकिन दुर्भाग्य से उन्हें भ्रमित करने वाले स्वयं ही बता रहे हैं कि किताब नहीं हिजाब।

इन तमाम परिदृश्यों से उभरती तस्वीरों के परिप्रेक्ष्य में कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गंभीर प्रश्न उभरते हैंए जिनका उत्तर ढूंढना आवश्यक प्रतीत होता है। प्रश्न हैं कि हिजाब के नाम पर ये सब आखिर क्यों किया जा रहा है इसका हासिल क्या होगा और इस प्रकार बार.बार कब तक होता रहेगा देश को आन्दोलन के नाम पर कब तक दंगों और गुडागर्दी की आग में झोंका जाता रहेगा। हालांकि इन प्रश्नों के उत्तर ढूंढना कोई आसान कार्य नहीं हैए क्योंकि उनके कारनामें इतने अधिक शातिराना हैं कि उनको समझने के लिए विचार और चिंतन के तराजू पर तोला जाना आवश्यक है। साथ ही समय.समय पर जाहिर होती उनकी षडयंत्रकारी जहरीली मंशा को भी उनके कारनामों के परिप्रेक्ष्य में देखा.परखा जाना चाहिएए चाहे उनकी मंशा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर जाहिर होती हो या टीवी डिबेटों मेंए चाहे तल्ख और तेजाबी भाषणों एवं वक्तव्यों में प्रकट होती हो या उनके द्वारा लिखित दस्तावेजों में।

इस प्रकार बहुत बारीक अध्ययनों से यह पता चलता है कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ वर्षों के बाद से ही उनके कारनामें विभिन्न रूपों और नामों से अलग.अलग मोहरों के सहारे समय.समय पर आते ही रहते हैं। इसलिए ये हिजाब कोई कारण नहीं है। यह तो महज एक बहाना है देश की छवि और सामाजिक सद्भाव को हानि पहुंचाने का। दूसरा प्रश्न है कि इसका हासिल क्या होगा। दरअसलए इन कारनामों का एक ही उद्येश्य है प्रधानमंत्री मोदी को हराना या प्रधानमंत्री के पद से हटानाए जो कि उनके लिए कतई भी संभव प्रतीत नहीं होता। इसलिए आक्रोश में वे कुछ भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं। कहावत है न कि ष्समथिंग इज बेटर दैन नथिंगष अर्थात कुछ नहीं से थोड़ा भला। तात्पर्य यह कि यदि मोदी को न हरा पायें तो न सहीए बदनाम तो कर ही सकते हैं कम.से.कम देश की छवि को दुनिया में धुंधला तो कर ही सकते हैं तो वे यही कर रहे हैंए क्योंकि यदि वे मोदी और देश को बदनाम करने में सफल हो जाते हैं तो आधी लड़ाई जीता हुआ मान लेंगे।

इसी प्रकार तीसरा प्रश्न है कि यह सब ऐसे ही बार.बार कब तक होता रहेगा या कहें कि देश को आन्दोलन के नाम पर कब तक दंगाइयों और उपद्रवियों के हाथों का खिलौना बनाया जाता रहेगा। इसका उत्तर है कि उनके ये कारनामें अभी आगे भी जारी रहने वाले हैं।

अर्थात इस प्रकार के उपद्रव और गुंडागर्दी का सामना करने के लिए हमें अभी मानसिक तौर पर आगे भी तैयार रहना होगाए क्योंकि देश में अभी और भी चुनाव होने शेष हैं। तात्पर्य यह कि देश में जब.जब चुनाव आयेंगेए तब.तब अलग.अलग बहानों के नाम पर ऐसे कारनामें हमें देखने के लिए मिलते रहेंगे। वैसे उनका असली लक्ष्य 2024 का आम चुनाव हैए जिसमें वे मोदी को किसी भी स्थिति में और किसी भी मूल्य पर हराना चाहते हैं। दरअसलए ये सब कारनामें उसी 2024 के आम चुनाव की फाइनल लड़ाई को जीतने के लिए युद्ध.अभ्यास अथवा ट्रेलर मात्र हैंए असली लड़ाई या कहें कि फिल्म तो अभी शेष हैए जो 2024 के आम चुनाव से ठीक पहले छेड़ी जा सकती हैए ताकि उसे अधिक.से.अधिक प्रभावित कर एक बार फिर ध्रुवीकरण को हवा देने का कार्य किया जा सके।

बहरहाल अब जबकि सब कुछ समझ में आ ही गया हैए तब इन बातों से इन बवालियों की कारगुजारियों से किसी भी राष्ट्रवादी भारतीय को दुखी होने की आवश्यकता नहीं हैए क्योंकि 2024 की फाइनल लड़ाई तक तो उनके ये कारनामें थोड़े.थोड़े विरामों के बाद जारी रहने ही वाले हैंए लेकिन 2024 की फाइनल लड़ाई के हारने के बाद उनके कारनामें और भी अधिक तल्ख एवं तेजाबी होंगेए क्योंकि तब पराजय के कारण उनका आक्रोश और भड़केगा। इसलिए हमें उनके क्रूर कारनामों के प्रति दुखी या क्रोधित होने के बजाये उन्हें कानून के दायरे में लाकर देश और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

उल्लेखनीय है कि जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में राजनीतिक अपराधियों दंगा. ब्रिगेडों उपद्रवियों गुंडों.मवालियों और आतंकवादियों के विरूद्ध योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कड़े कानूनी कदम उठाकर एक मिसाल कायम की हैए उससे जन.साधारण के मन में यह विश्वास पैदा हुआ है कि यदि सरकार चाहे तो देश और समाज में अमन.चैन कायम रह सकता है। इसलिए आवश्यकता है कि उत्तर प्रदेश सरकार की भांति अब पूरे देश में राजनीतिक अपराधियोंए दंगाइयोंए उपद्रवियोंए गुंडों.मवालियों और आतंकवादियों के विरूद्ध कड़े कानूनी कदम उठाये जायें। इसके लिए यदि जरूरी हो तो राज्यों में तथा राष्ट्रीय स्तर पर नये कानून भी बनाये जाने चाहिए।

"कसमें वादे प्यार वफा सब...बातें हैं बातों का क्या..

सुनील कुमार महला

दुनिया गरम है, नहीं हो रही ये नरम है। झगड़ा फसाद है, हर कहीं विवाद है। अब रूस और यूक्रेन को ही देख लीजिए। रूस आक्रामक है और यूक्रेन को परमाणु हमले की धमकी दे रहा है। रूस भी परेशान हो रहा है और बेचारा यूक्रेन भी। रूस को नाता(नाटो) अच्छा नहीं लगता। अच्छा तो यूक्रेन को भी नहीं लगता, इसीलिए तो गा रहा है - "कसमें वादे प्यार वफा सब...बातें हैं बातों का क्या...कोई किसी का नहीं ये झूठे नाते हैं (नाटो) का क्या ? वैसे यूक्रेन को इस बात की जानकारी अब मिली है कि कोई किसी का नहीं, ये झूठे नाते हैं, नातों(नाटों) का क्या ? अगर यूक्रेन हमारे देश के प्रसिद्ध, जानदार व अत्यंत शानदार गीतकार(लीरिसिस्ट) इंदीवर जी से मिल लिए होते तो उन्हें ये बात पचपन साल पहले ही समझ में आ जाती। इस संदर्भ में यूक्रेन को 1967 में आई भारतीय फिल्म उपकार जरूर देखनी चाहिए थी। खैर, यूक्रेन देर सवेर कभी न कभी यह फिल्म देख ही लेगा,हमें पूरा यकीन है जी। हमें पता है कि वह दूसरों की देखादेखी में भारत से जरूर नफरत करता है लेकिन मन ही मन में वह हमारे भारत को दिल से चाहता है।वैसे अमरीका और यूरोपीय देशों बेल्जियम,कनाडा,डेनमार्क, फ्रांस, आइसलैंड, इटली, लक्जमबर्ग, नींदरलैंड, नार्वे, पुर्तगाल, यूनाइटेड किंगडम सभी के नाते झूठे निकले। तोताराम जी कहते हैं कि ये अमेरिका समरीका बड़ा डॉन सॉन बनता था लेकिन यह तो बड़ा ही "फट्टू" किस्म का निकला। तोताराम जी बताने लगे -अजी ! अमेरिका तो वो दोस्त है जो तसल्ली के लिए बोलता है कि मैं कल स्कूल के बाहर बंदे संदे बुला लुंगा, तू डरना बिल्कुल भी मत। लेकिन अगले दिन जब आपकी ठीक ठाक जमकर कुटाई सुटाई और सुंताई हो रही होती है तो वो मामा की शादी में नाच रहा होता है। बेचारा यूक्रेन अमरीका और यूरोपीय देशों के भरोसे रह गया। रूस के खिलाफ बेचारे तीस नाटों ने अपने "नाते" यूक्रेन से तोड़ लिए हैं। धोखा हो रहा है यूक्रेन को , उपकार फिल्म तो देखी नहीं, बेचारे को मौका सौका नहीं मिला, लेकिन भारतीय फिल्म दो बदन बीसीयों तीसीयों बार गहनता से देखी है, यही कारण है कि यूक्रेन फिल्म दो बदन का गाना गुनगुना रहा है - रहा गर्दिशें (संकट, मुसीबत, दुर्भाग्य, बदकिस्मती) में हरदम मेरे इश्क(अमरीका) का सितारा, कभी डगमगाये कश्ती(बम पर बम गिर रहे हैं) कभी खो गया किनारा...कोई दिल का खेल(नाटो सदस्य न बना) देखे, कि मुहब्बतों की बाजी(अमरीका संग) वो(रूस) कदम कदम पे जीते, मैं (यूक्रेन)कदम कदम पे हारा ये हमारी(यूक्रेन की) बदनसीबी जो नहीं तो और क्या है कि उसी के(अमेरिका और यूरोपीय देशों के) हो गये हम, जो न हो सका हमारा(यूक्रेन का)..। यूक्रेन अब परेशान, हैरान हैं, भारत, भारतीयों और भारतीय फिल्मों में उसे अपना भविष्य नजर आता है। यूक्रेन को अब भारत के इतिहास की याद आ रही है। यूक्रेन गिड़गिड़ा रहा है और कह रहा है-"इतिहास में कई बार भारत ने शांति स्थापना की भूमिका निभाई है, युद्ध रोकने के लिए हम(यूक्रेन) भारत की मजबूत आवाज की मांग कर रहे हैं।" भारत की यूक्रेन को बहुत याद आ रही है कि उसने क्यों बीते वक्त में भारत का साथ नहीं दिया। यूक्रेन माथा पकड़े बैठे हैं कि उसकी मत मारी गई थी कि उसने भारत के परमाणु कार्यक्रम का विरोध किया था, आतंकवाद के मुद्दे पर कभी भी भारत के साथ न खड़ा हुआ,कश्मीर पर भी भारत के लिए कुछ नहीं किया, संयुक्त राष्ट्र संघ से भारतीय परमाणु कार्यक्रम को बंद करके कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की मांग की, पाकिस्तान को हथियारों की जरूरतों को पूरा करके पाकिस्तानी का सबसे बड़ा हमदर्द बना। गोले,बम गिर रहे हैं और यूक्रेन गोलों, बमों व आगजनी के बीच भारतीय फिल्म बैजू बावरा का गीत गुनगुना रहा है - "भगवान भगवान भगवान(भारत)...ओ दुनिया के रखवाले(भारत) सुन दर्द भरे मेरे नाले....सुन दर्द भरे मेरे नाले...आश(भारत) निराश(अमरीका व यूरोपीय देश) के दो रंगों से दुनिया तूने सजाई...नय्या संग तूफान बनाया मिलन के साथ जुदाई...जा देख लिया हरजाई(अमरीका व यूरोपीय देश) ओ लुट गई मेरे प्यार की नगरी अब तो नीर बहा ले

अब तो नीर बहा ले...ओ अब तो नीर बहा ले... !" भारत दिलेर है, इतना होने के बाद भी यूक्रेन की दर्दभरी आवाज सुन रहा है और सांत्वना देते हुए गा रहा है, गुनगुना रहा है - "मत रो मेरे दिल(यूक्रेन पढ़ें), चुप हो जा

हुआ सो हुआ....मत रो मेरे दिल(यूक्रेन पढ़ें), चुप हो जा हुआ सो हुआ...वो जो प्यार(युद्ध/तकरार पढ़ें) में होता है....ऐतबार में होता है...तेरे साथ भी यार मेरे...वही तो हुआ....मत रो मेरे दिल(यूक्रेन पढ़ें) चुप हो जा हुआ सो हुआ.. मत रो मेरे दिल

समसामयिक

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' से ओत प्रोत

निर्मल रानी

विगत पांच फरवरी को हैदराबाद के निकट संत रामानुजाचार्य की 216 फुट ऊंची विशालकाय प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। वैष्णव संत रामानुजाचार्य की 1000 वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुरू हुए इस विशाल आयोजन में 2 से 14 फरवरी तक प्रतिदिन 1,035 कुंडों के साथ 14 दिनों तक महायज्ञ किया गया। इस आयोजन में प्रधानमंत्री के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत व मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री शिवराज चौहान सहित अनेक कद्दावर "राष्ट्रभक्त नेताओं " ने भी शिरकत की। इस आयोजन में उपस्थित संत जनों के अतिरिक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,मोहन भागवत व शिवराज चौहान की वेश भूषा पर यदि गौर करें तो मोदी, भागवत व चौहान भी कोई महान संत व त्यागी महात्मा प्रतीत हो रहे थे। मोदी तो बाकायदा अपने माथे पर रामानंदी अखाड़े के साधू संतों द्वारा धारण किया जाने वाला विशाल 'रामानंदी तिलक ' लगाये हुये थे। वे पहले भी कई बार भारत के कई मठों मंदिरों से लेकर काठमाण्डू के पशुपतिनाथ मंदिर तक में साधू संतों के वेश में नजर आ चुके हैं। आयोजन को देखकर वास्तव में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि यह विशाल व अत्यंत खर्चीला आयोजन पूर्णतयः 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' से ओत प्रोत है। परन्तु देशवासियों को यह जानकार आश्चर्य होगा कि संत रामानुजाचार्य की स्टील तथा पंचधातु से निर्मित इस 216 फुट ऊंची प्रतिमा की ढलाई का काम चीन की एरोसन कारपोरेशन नामक एक कंपनी द्वारा किया गया है। बताया जारहा है इस के निर्माण पर 135 करोड़ रुपए की लागत आई है। इसे 1600 अलग अलग टुकड़ों में ढालकर चीन से भारत (हैदराबाद) लाया गया जहाँ प्रतिमा के इन टुकड़ों को जोड़कर संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' का भव्य एवं विराट रूप दिया गया। यह प्रतिमा उसी चीन में निर्मित की गयी है जो कभी लद्दाख कभी पेंगोंग कभी अरुणाचल प्रदेश तो कभी डोकलाम तो कभी तिब्बत व नेपाल के सीमान्त इलाकों से भारत घुसपैठ करने की कोशिश करता रहता है। विस्तारवादी नीति अपनाने वाले इसी चीन के सैनिकों के साथ हमारे देश के सैनिकों की सीमा पर अनेक बार हिंसक मुठभेड़ भी हो चुकी है। और ऐसी घटनाओं के बाद अनेक बार जिम्मेदार सत्ताधारी 'राष्ट्रवादियों ' की ओर से यह अपील भी की जा चुकी है कि 'भारतवासी चीनी सामग्री व चीनी हितों को साधने वाली किसी भी व्यवस्था का बहिष्कार करें।' भारत-चीन के मध्य तनाव के बीच अनेक अतिउत्साही 'राष्ट्रवादी ' जगह जगह चीन निर्मित सामानों की 'होली' जलाते भी दिखाई दे जाते हैं। कभी सरकार भी कुछ चीनी ऐप आदि प्रतिबंधित कर प्रतीकात्मक रूप से देश की जनता को यह संदेश देने की कोशिश करती है कि सरकार भी चीन का 'बहिष्कार ' कर रही है। हैदराबाद में स्थापित की गयी संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा चीन निर्मित कोई पहली प्रतिमा नहीं है। इससे पहले अक्टूबर 2018 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ही हाथों गुजरात के नर्मदा तट पर लोकार्पित की गयी सरदार बल्लभ भाई पटेल की लगभग तीन हजार करोड़ रुपए लागत की 182 मीटर ऊँची प्रतिमा भी चीन में ही निर्मित की गयी है। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' नामक सरदार पटेल की इस मूर्ति में भी चार धातुओं का उपयोग किया गया है। इस प्रतिमा में 85 प्रतिशत तांबे का इस्तेमाल किया गया है। इसी प्रतिमा के निर्माण के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से पुराना लोहा मांगा था और भाजपा कार्यकताओं ने विशेषकर किसानों से लोहा इकठ्ठा कर गुजरात भेजा था। सरदार पटेल जैसे देशभक्त व स्वदेशी की वकालत करने वाले लौह पुरुष की प्रतिमा चीन से बनकर आयेगी शायद सरदार पटेल ने कभी सोचा भी नहीं होगा। केवल प्रतिमायें ही नहीं बल्कि सरकारी स्तर पर किये जाने वाले अनेकानेक सजावटी कामों में भी चाईनीज लाइट्स व एल ई डी का भरपूर इस्तेमाल होते देखा जा सकता है। दिल्ली-मेरठ हाईवे पर दिल्ली से प्रवेश करते ही आपको दोनों और खंबों पर तिरंगी रौशनी बिखेरती एल ई डी नजर आएगी। इनमें लगभग आधी तो जलती ही नहीं हैं।

सपने लूटते बंदरगण और जोरदार ठहाका

रामविलास जांगिड़

जंबूद्वीपे उत्तराखंडे एक नगर था इंद्रप्रस्थ। यहां चंद्रप्रकाश नाम का एक दरिद्र निवास करता था। चंद्रप्रकाश अत्यंत वृद्ध हो चुका था और वह कई चुनावों में अपने वोट को फेंक चुका था। वोट फेंकते-फेंकते समय की गति से चंद्रप्रकाश वृद्ध दादाजी बन गया था। चेहरे पर अनंत झुर्रियां! रूखे बाल! पिचके गाल! एकदम पुराने वोटर की तरह! चंद्रप्रकाश की असहाय बूढ़ी बाहों में पोते-पोतियों , नाती-नातिन आदि उछलने लगे थे। एक दिन बूढ़ी काकी दादी उर्फ चंद्रप्रकाश की पत्नी श्री ने चंद्रप्रकाश को छत पर सुखाए जाने वाले कपड़ों की निगरानी के लिए लगा दिया। होता यह कि इंद्रप्रस्थ की छतों पर अक्सर बंदर उछलते-कूदते रहते हैं। इस छत से उस छत और उस छत से इस छत! धमाचौकड़ी मचाते बंदरों का समूह! बंदरों का अपार समूह

सारे सपने लूट लिए! इतना सुनकर बेताल ने जोरदार ठहाका लगाया। वह चालू चक्करदार चुनावी रैली में एक बड़े होर्डिंग से लटक गया। बेताल ने लंबा कहकहा लगाया और कहा- अरे विक्रम! तू तो बहुत सयाना हो गया है रे!

इंद्रप्रस्थ की हर एक छत पर देखा जा सकता था। बंदरों के इसी आतंक के कारण समस्त प्रकार के बुजुर्गों की ड्यूटी छत पर पापड़-मुंगेड़ी बनाने अथवा कपड़े सुखाने में बंदरों की रक्षा के लिए लग जाया करती थी। वयोवृद्ध चंद्रप्रकाश भी आज इसी का हिस्सा बने हुए थे। बंदरों की जैसी आदत होती है; थोड़ी देर में बंदरों का एक पूरा दल आ गया। वह बहू का एक कपड़ा उठाकर ले गया। अब चंद्रप्रकाश करे तो क्या? चिल्लाए तो कैसे? तो उसने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू किया- अरे बंदर आया! बंदर आया! बड़ा सा सूटकेस ले गया! तब आसपास सब लोग इकट्ठे हो गए। बढ़ऊ को ताना मारने लगे। तू सूटकेस छत पर क्यों ले गया? इतने बुढ़ापे में भी सूटकेस छत पर ले जाने की क्या जरूरत थी? चंद्रप्रकाश की पत्नी श्री वयोवृद्ध दादी भी छत पर आ गई। पत्नी पुराण के नियमानुसार चंद्रप्रकाश को फटकार भी लगाई। आखिर तुमने सूटकेस ऊपर रखा ही क्यों? सूटकेस ऊपर आया ही कैसे? तब चंद्रप्रकाश ने धीरे से दादी के कान में कहा- सूटकेस नहीं बहू का कोई कपड़ा था। मैं कैसे कह सकता कि बंदर बहू का कपड़ा ले गया! तब दादी ने मामले की नजाकत समझकर चिल्लाना शुरू किया- अरे बंदर आया! बंदर आया! मोटी सी पायल लेकर भाग गया। घर के आसपास और ज्यादा भीड़ इकट्ठी हो गई। सारी भीड़ बुड्ढे-बुड्ढियों को लानत देने लगी कि तुमने आखिर सूटकेस वहां रखा क्यों? सूटकेस रखा भी तो उसमें पायल क्यों रख दी? क्या चांदी की चीजों को कैसे रखा जाता है? घर में अच्छा-खासा कोहराम मच गया। तभी राजा विक्रमादित्य ने बेताल के मुंह को ढांपते हुए कहा- बेताल यह कहानी उस बूढ़े चंद्रप्रकाश की नहीं है, बल्कि यह हर एक वोटर की है। जिसके सपनों को आए दिन कोई न कोई नेता बंदर का रूप धरकर चुरा ले जाता है। बेचारा दरिद्र वोटर अपनी बात भी नहीं बता पाता है।

भूख बनाम देशभक्ति

डॉ. सुरेश कुमार

बुद्धि जब सोचने-समझने की क्षमता खो देती है तब हम अपने पैरों पर न चलकर भ्रम के पैरों पर चलने लगते हैं। भ्रम का मायाजाल कुछ इस तरह सिर चढ़कर बोलता है कि मानो तालाब में खिले कमल कह रहे हों कि हम तुम्हारे लिए ही खिले हैं। दूर गगन में टंगा आसमान मानो हमारे आंगन में फुटबाल की तरह गिरा पड़ा है। बचपन की बुद्धि सोचने-समझने से नहीं कुटिलताओं से परे होती है। कितना अच्छा होता कि यह बचपन जीवन की सभी दशाओं में सबसे लंबी अवस्था होती। न किसी से छल करते न किसी से झूठ बोलते। खुद में मस्त होकर जहाँ चाहे वहाँ खेलते-कूदते। प्रदूषण की माया ने आसमान के तारों को रंग-बिरंगे कागजों में झिलमिलाने के लिए मजबूर कर दिया है। एक समय था जब आंगन के डार पर टंगी सादी साड़ी के इस पार से उस पार के तारों को देखने पर ऐसा लगता मानो किसी ने आकर साड़ी पर सितारे टांक दिए हैं। जब जिंदगी खुद धुआँ-धुआँ सा लगने लगे तब आसमान के तारों की बात करना बेईमानी होती है। पहले देशभक्ति रगों में दौड़ती थी। अब खादी के कपड़ों और चौराहे से खरीदे प्लास्टिक के झंडों में सिमटी बैठी है। था एक समय जब मतवालों की तरह जयहिंद-वंदेमातरम-इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते हुए निकल पड़ते थे किला फतेह करने। अब गालों पर तिरंगा रंग लगाए, चंद नाखून और बाल कटवाकर खुद को देश के लिए होम होने वाला बड़ा देशभक्त घोषित कर लेते हैं। गलों के पावन मंदिर से निकलने वाले देशभक्ति गीतों के स्थान पर बेतूके गानों की धूम मची है। न स्वतंत्रता दिवस का ज्ञान न गणतंत्र का। बस इतना पता है कि दोनों दिन झंडा फहराते हैं और छुट्टी होती है। न जाने हमारे देश में कैलेंडर कौन बनाता है जो इन दिवसों को राष्ट्रीय पर्व के रूप में दिखाता है। वह तो भला हो हमारी नवपीढ़ी का जो उसे सुधारकर छुट्टी के रूप में मनाने का कोई अवसर नहीं गंवाते। यादों की दुनिया में विचरना भ्रम ही तो है। रुपए-पैसे और नाम कमाने के खेल में हम इतने रम गए कि खुद के आगे देश को बौना समझने लगे। देश को मिट्टी का टुकड़ा समझकर खुद को बेशकीमती समझने लगे।

जरात टाइटंस को लगा झटका, जैसन रॉय बायो बबल की थकान का हवाला देकर आईपीएल से हटे

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बल्लेबाज जैसन रॉय ने बायो बबल की थकान का हवाला देकर आईपीएल से नाम वापिस ले लिया है जिससे टूर्नामेंट शुरू होने से तीन सप्ताह पहले गुजरात टाइटंस टीम को करारा झटका लगा है। 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' के अनुसार रॉय ने पिछले सप्ताह टीम को अपने फैसले के बारे में बता दिया है। टाइटंस ने अभी उनके विकल्प का चयन नहीं किया है।

दक्षिण अफ्रीका में जन्में इंग्लैंड के क्रिकेटर जैसन रॉय को टाइटंस ने उनकी मूल कीमत दो करोड़ रूपये में खरीदा था।गुजरात की टीम के लिये यह बड़ा झटका है क्योंकि युवा शुभमन गिल के अलावा उन्होंने रॉय के रूप में एक ही विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज चुना था। रॉय ने इससे पहले भी निजी कारणों से 2020 सत्र से नाम वापिस ले लिया था जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें डेढ करोड़ रूपये में खरीदा था। आईपीएल का 15वां सत्र 26 मार्च से शुरू होकर मई के अंतिम सप्ताह तक चलेगा। रॉय पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेले थे जबकि इस साल उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में भी क्वेटा ग्लैडिएटर्स के लिये खेला।

रूस हॉकी जूनियर विश्व कप से बाहर, यूक्रेन पर हमले के खिलाफ लिया गया फैसला

दुबई। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने भी वैश्विक खेल बिरादरी के साथ कदम से कदम मिलाते हुए रूस को आगामी एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप में हिस्सा लेने से रोकने का फैसला किया। रूस के यूक्रेन पर हमले की विश्व भर में कड़ी निंदा हो रही है और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के आह्वान पर विश्व भर की खेल संस्थाएं उसका बहिष्कार कर रही हैं। एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप एक से 12 अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रम में आयोजित किया जाएगा।

इससे पहले फीफा और यूएफा ने भी बड़ा एक्शन लिया है। फीफा ने रूस को 2022 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया है। यूएफा ने भी अगले आदेश तक रूस के फुटबॉल क्लबों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं।उधर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने मौजूदा हालात को देखते हुए रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों की वैश्विक प्रतियोगिताओं में भागीदारी को लेकर बड़ा एलान किया। आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने रूसी और बेलारूसी एथलीटों और अधिकारियों की भागीदारी को अनुमति नहीं देने की सिफारिश की है।

सीनियर राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिपः पांच खिलाड़ियों ने हासिल की बढ़त, इनियान ने शीर्ष वरीय खिलाड़ी को हराया

दुबई। मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम सहित पांच खिलाड़ियों ने कानपुर में आयोजित 58वी सीनियर राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के आठवें दौर के बाद समान 6.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल की। आठवें दौर में तमिलनाडु के ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने शीर्ष वरीयता प्राप्त बी अधिबान को हराया, जबकि अंतरराष्ट्रीय मास्टर पी प्रणव ने अनुभवी ग्रैंडमास्टर दीप सेनगुप्ता को पराजित किया। जीत से इनियान और प्रणव ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी और डी गुकेश के साथ शीर्ष पर पहुंच गए। वहीं एक अन्य मुकाबले में

चिदंबरम ने रेलवे के सायंतन दास को हराया। संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे एरिगेसी और गुकेश ने विशाख और ललित बाबू से बाजियां ड्रा खेलीं। इससे इनियान, प्रणव और चिदंबरम को शीर्ष पर पहुंचने में मदद मिली। अन्य मुकाबले में ग्रैंडमास्टर मित्राभ गुहा और आर्यन गुहा ने अंक बांटे। अभिजीत गुप्ता ने रेलवे के एस नितिन को मात दी।

दर्शकों के सामने अपना 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे कोहली

मोहाली। भारत और श्रीलंका के बीच शुक्रवार से शुरू होने वाला पहला टेस्ट मैच दर्शकों की मौजूदगी में खेला जाएगा। यह स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का 100वां टेस्ट मैच होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने बयान में कहा कि क्रिकेट प्रशंसक कोहली को 100वां टेस्ट मैच खेलने के ऐतिहासिक क्षण का गवाह बन सकते हैं।

पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) ने पुष्टि की कि उन्हें इस टेस्ट मैच के दौरान स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों की उपस्थिति की अनुमति मिल गयी है। शाह ने बयान में कहा, ''भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली के पंजाब

क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला पहला टेस्ट मैच खाली स्टेडियम में नहीं खेला जाएगा।''

उन्होंने कहा, ''राज्य क्रिकेट संघ ने दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति देने का निर्णय किया है और वर्तमान परिस्थितियों में यह विभिन्न कारकों पर आधारित है। मैंने पीसीए पदाधिकारियों से बात की है और उन्होंने पुष्टि की है कि क्रिकेट प्रशंसक विराट कोहली के 100वें टेस्ट मैच के ऐतिहासिक क्षण को देख पाएंगे।'' बीसीसीआई सचिव ने कहा भले ही वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में सीमित ओवरों की श्रृंखला दर्शकों के बिना खेली गयी थी लेकिन कोविड-19 के मामलों में गिरावट के बाद दर्शकों को आने की अनुमति दी गयी। उन्होंने कहा, ''मैं वास्तव में विराट कोहली के 100वें टेस्ट मैच को लेकर उत्साहित हूं और अपने चैंपियन क्रिकेटर को शुभकामनाएं देता हूं। ''

पीसीए कोषाध्यक्ष आरपी सिनोला ने पीटीआई से कहा, ''बीसीसीआई ने हमें आगामी टेस्ट मैच के दौरान स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति देने के लिये कहा है।'' उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने हमें बताया कि 50 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति दी जाएगी और अब हम आवश्यक तैयारियां कर रहे हैं। हम कल से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू कर देंगे।'' इससे पहले इस मैच में दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में आयोजित करने का निर्णय लिया गया था।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 198 रन से हराकर सीरीज में बराबरी की

क्राइस्टचर्च। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट में न्यूजीलैंड को 198 रन से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1 . 1 से बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड को जीत के लिये 426 रन का लक्ष्य देने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने उसे 227 रन पर आउट करके एक सत्र बाकी रहते जीत हासिल की। न्यूजीलैंड ने पहला टेस्ट एक पारी और 276 रन से जीता था। दक्षिण अफ्रीका टीम उस मैच में 95 और 111 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। पूरे पांचों दिन मैच में दक्षिण अफ्रीका का दबदबा रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 364 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज सारेल एरवी ने शतक जड़ा। इसके बाद न्यूजीलैंड

को 293 रन पर आउट करके पहली पारी में 71 रन की बढत बना ली।कैगिसो रबाडा ने 60 रन देकर पांच विकेट लिये। क्विंटोन डिकॉक के अचानक संन्यास लेने के बाद विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी कर रहे काइल वेरेने ने भी शतक जड़ा जिसकी मदद से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी नौ विकेट पर 354 रन पर घोषित करके 425 रन की बढत ले ली। चौथे दिन न्यूजीलैंड ने पहले तीन विकेट 25 रन पर गंवा दिये जिससे मैच में वापसी की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

रबाडा ने टॉम लाथम और विल यंग को पहले तीन ओवर में पवेलियन भेजा। न्यूजीलैंड ने आखिरी दिन चार विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरू किया। उस समय डेवोन कोंवे 60 और टॉम ब्लंडेल एक रन बनाकर खेल रहे थे। कोंवे पहले सत्र के आखिर में 92 रन पर आउट हो गए।तेज गेंदबाज लुथो सिपामला ने उन्हें पवेलियन भेजा। इसके बाद से न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई। ब्लंडेल और कोलिन डि ग्रांडहोमे (18) दूसरे सत्र के पहले पांच ओवर में ही आउट हो गए जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत तय हो गई।

हैदराबाद को हराकर जमशेदपुर पहली बार आईएसएल के सेमीफाइनल में

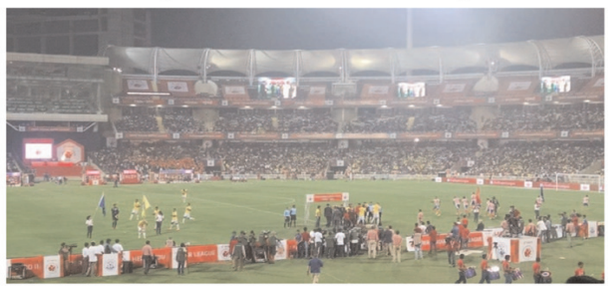

बामबोलिम। जमशेदपुर एफसी ने यहां दबदबे वाला प्रदर्शन करके हैदराबाद एफसी को 3-0 से करारी शिकस्त देकर पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। इस जीत से जमशेदपुर की टीम हैदराबाद को पीछे छोड़कर शीर्ष पर काबिज हो गयी है। उसके 18 मैचों में 11 जीत और चार ड्रा से 37 अंक हो गये हैं।हैदराबाद को अपनी चौथी हार का सामना करना पड़ा और वह 19 मैच में 35 अंक के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गयी है। मैच का पहला गोल पांचवें मिनट में हुआ जब हैदराबाद के सेंटर-बैक चिंगलेसाना कोंशाम के आत्मघाती गोल से जमशेदपुर एफसी शुरुआती बढ़त हासिल की। इंग्लैंड के सेंटर बैक पीटर हर्टली ने 28वें मिनट में गोल करके जमशेदपुर को 2-0 से आगे कर दिया। दाहिने छोर से एलेक्स लीमा की कार्नर-किक पर हर्टली ने हेडर से गोल किया। डेनियल चीमा चुक्कु ने 65वें मिनट में जमशेदपुर के लिये तीसरा गोल दागा।

सिर में लगी चोट से उबरे स्मिथ, पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिये तैयार

इस्लामाबाद। आस्ट्रेलिया के उपकप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि वह पिछले महीने सिर में लगी चोट (कनकशन) से पूरी तरह से उबर चुके हैं और उन्हें 1998 के बाद पाकिस्तान के खिलाफ पहली टेस्ट श्रृंखला का इंतजार है।

स्मिथ को श्रीलंका के खिलाफ सिडनी में एक टी20 मैच के दौरान छक्का बचाने के प्रयास में सिर में चोट लगी थी। वह श्रीलंका के खिलाफ आखिरी तीन टी20 मैच नहीं खेल सके। उन्होंने एक आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में कहा,अब ठीक लग रहा है। पिछले कुछ दिन से मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं।

अभ्यास सत्र के बाद और अच्छा लग रहा है। आस्ट्रेलियाई टीम ने पिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर अभ्यास किया जहां पहला टेस्ट खेला जाना है। दूसरा टेस्ट 12 से 16 मार्च तक कराची में और तीसरा 21 से 25 मार्च तक लाहौर में खेला जायेगा। स्मिथ ने कहा, हालात के अनुकूल ढलना अहम है। इतने समय बाद

पाकिस्तान फिर आकर अच्छा लग रहा है। हमें पता है कि यहां के लोग क्रिकेट के कितने शौकीन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि टीम पाकिस्तान में सुरक्षित महसूस कर रही है। आस्ट्रेलियाई स्पिनर एश्टोन एगर की पत्नी को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी की जांच कराई गई और पाकिस्तान तथा आस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड दोनों ने जांच के बाद कहा कि यह धमकी विश्वसनीय नहीं थी।

अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिताओं में नहीं शामिल हो सकेंगे रूस और बेलारूस के खिलाड़ी

मॉस्को। रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर आईएसएसएफ चैंपियनशिप में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद सभी खेल संस्थाएं रूस और रूसी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने भी रूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बाद आईएसएसएफ ने भी रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग फेडरेशन ने यूक्रेन में रूसी सैन्य कार्रवाई के विरोध में यह कदम उठाया है।

अंतरराष्ट्रीय शूटिंग फेडरेशन ने अपने बयान में कहा 'अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के विशेष बोर्ड के फैसले और ओलंपिक समिति के अध्यक्ष के साथ बैठक के बाद अंतरराष्ट्रीय शूटिंग फेडरेशन ने तय किया है कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को आईएसएसएफ चैंपियनशिप में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह आदेश एक मार्च को दिया गया है और आगामी आदेश तक मान्य रहेगा।

लगातार रूस पर लग रहे प्रतिबंध

यूक्रेन और रूस के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए कई खेल संस्थाओं ने रूस पर पाबंदियां लगाई हैं। रूस में होने वाले कई आयोजन रद्द कर दिए गए हैं। रसियन ग्रांड प्री रद्द कर दी गई है। चैंपियंस लीग का फाइनल भी रूस में नहीं होगा। अब इसका आयोजन पेरिस में होगा। यूएफा और फीफा ने भी रूस को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से बैन कर दिया है। आगामी आदेश तक रूस किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग नहीं ले सकेगा।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने गुरुवार को यूक्रेन पर हमला कर दिया था। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर कोई देश में यूक्रेन में रूसी सेना की कार्रवाई में बाधा डालता है तो उसे ऐसे परिणाम भुगने पड़ेंगे, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी।

पुतिन के खिलाफ लिया गया एक्शन

विश्व ताइक्कांडो ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से ब्लैक बेल्ट की मानद उपाधि भी छीन ली है। इसके साथ ही ताइक्कांडो से जुड़ी शीर्ष संस्था ने यूक्रेन पर रूसी सेना के हमले का विरोध किया है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय जूडो फेडरेशन ने पुतिन को मानद अध्यक्ष पद से हटा दिया था।

दिनेश कार्तिक ने पंत की तुलना धोनी से की, सामने आया सालों पुराना दर्द, साहा के साथ सहानुभूति दिखाई

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने अपने साथी खिलाड़ी ऋद्धिमान साहा की तारीफ की है। कार्तिक ने कहा है कि साहा लंबे समय तक भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में सालों तक देश की सेवा की है। कार्तिक ने साहा को दुनिया के सबसे बेहतरीन विकेटकीपर में से एक बताया है। श्रीलंका के खिलाफ चार मार्च से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में साहा भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। उन्हें टीम इंडिया से बाहर कर दिया गया है और आने वाले समय में भी साहा की वापसी की संभावनाएं नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने पंत की तुलना धोनी से की है। भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद साहा ने कहा था कि टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने उन्हें संन्यास लेने की सलाह दी थी। साहा के इस बयान के बाद काफी बातें हुई थीं और द्रविड़ ने कहा था कि उन्होंने साहा के सामने सारी चीजें स्पष्ट की थीं। वे किसी को धोखे में नहीं रखना चाहते थे। विकेटकीपर के रूप में पंत भारत की पहली पसंद हैं और उनके विकल्प के रूप में टीम किसी युवा विकेटकीपर को तैयार करना चाहती है।

कार्तिक की नजरों में सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर हैं कार्तिक

आईसीसी रिव्यू के एक वीडियो में कार्तिक ने कहा 'ऋद्धिमान साहा को श्रेय मिलना चाहिए। मुझे लगता है कि वे भारतीय क्रिकेट के उन सेवकों में रहे हैं, जिन्होंने सालों तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वे अभी भी दुनिया के सबसे बेहतरीन विकेटकीपर में शामिल हैं। मैं उन्हें दुनिया का सबसे बेहतरीन विकेटकीपर मानता हूं।

उनके हाथ बहुत ही शानदार हैं, विकेट के पीछे उनके पैर बेहतरीन तरीके से चलते हैं। वो शानदार विकेटकीपर हैं। साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुछ शतक भी लगाए हैं और कुछ बेहतरीन पारियां खेली हैं, जब भारत को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।' साहा ने भारत के लिए 40 टेस्ट मैच खेले हैं और 1353 रन बनाए हैं। इसमें तीन शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। वहीं विकेट के पीछे उन्होंने 104 शिकार किए हैं।

कार्तिक ने आगे कहा 'जैसे कि धोनी ने उस समय टीम में अपनी जगह बनाई थी, वैसी ही पंत ने पिछले कुछ सालों में भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की की है। ऐसे में साहा अपने आप दूसरे विकेटकीपर बन गए।

यूक्रेन की खिलाड़ी स्वितोलिना की दो टूक, रूसी खिलाड़ियों के साथ खेलने की बजाय टूर्नामेंट से हटना पसंद करूंगी

नई दिल्ली। यूक्रेन की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी एलीना स्वितोलिना ने रूसी खिलाड़ी के साथ खेलने से मना कर दिया है। स्वितोलिना ने कहा है कि वह किसी रूसी खिलाड़ी के साथ खेलने की बजाय मॉन्टेरी ओपन से हटना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ तभी रूस या बेलारूस की खिलाड़ियों के साथ खेलेंगी जब टेनिस की शासी निकाय अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सिफारिशों का पालन करते हुए उन्हें 'तटस्थ एथलीटों' के रूप में पहचाने देगी।

स्वितोलिना ने सोमवार को ट्विटर पर लिखा कि वह अनास्तासिया पोटापोवा के खिलाफ अपने शुरुआती दौर की प्रतियोगिता नहीं खेलना चाहती हैं और नाहीं किसी रूसी या बेलारूसी टेनिस खिलाड़ियों के खिलाफ तब तक कोई अन्य मैच खेलेंगी, जब तक डब्ल्यूटीए

विमेंस टूर, एटीपी मेंस टूर और अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ आईओसी की सिफारिशों का पालन नहीं करे।

उन्होंने लिखा, 'मैं किसी भी रूसी एथलीट को दोष नहीं दे रही। वे हमारी मातृभूमि पर आक्रमण के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।'

रूस और यूक्रेन के बीच पिछले पांच दिन से जारी जंग के थमने के आसार नहीं दिख रहे हैं। रूसी सेना तेजी से आगे बढ़ते हुए यूक्रेन के बड़े शहरों पर कब्ज़ा करने की कोशिश में लगी हुई है। वहीं यूक्रेन भी पूरी ताकत के साथ उसका सामना कर रहा है। दोनों के बीच जारी भीषण युद्ध में जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है और बड़े स्तर पर लोगों का पलायन भी जारी है।

इससे पहले स्वितोलिना ने सोमवार को कहा था कि वह डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट से मिली अपनी पुरस्कार राशि यूक्रेन की सेना और पिछले सप्ताह रूस के अपने देश पर आक्रमण के बाद मानवीय प्रयासों में मदद करने के लिए दान करेंगी।

सौरभ चौधरी ने लगाया सुनहरा निशाना, 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत को दिलाया पहला गोल्ड

नई दिल्ली। भारत के युवा निशानेबाज सौरभ चौधरी ने मिस्र में जारी आईएसएसएफ विश्व कप में देश को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। 19 वर्षीय सौरभ ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जर्मनी के माइकल स्वॉल्ड को 16-6 से हराया। वहीं कांस्य पदक रूस के आर्टेम चेर्नौसोव ने जीता, हालांकि स्कोरबोर्ड पर उनके देश के झंडे को नहीं दिखाया गया। एशियाई चैंपियन सौरभ 10 मीटर एयर पिस्टल

स्पर्धा के क्वॉलिफिकेशन दौर में 585 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंचे थे। यहां वह 38 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे और फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में हालांकि, उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह चार खिलाड़ियों के बीच छह राउंड तक चौथे स्थान पर रहे। लेकिन इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और फिर नौ दौर के मुकाबले के बाद शीर्ष पर पहुंच गए। सौरभ के अलावा कोई अन्य निशानेबाज मौजूदा विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया। 26 फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले इस विश्व कप में 60 देशों के 500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

महिला विश्वकप 2022: भारत का पहला मैच पाकिस्तान से, दोगुनी ईनामी राशि और नौ खिलाड़ियों के नियम से बढ़ेगा रोमांच

नई दिल्ली। महिला विश्व कप 2022 की शुरुआत चार मार्च से हो रही है। पहला मुकाबला मेजबान न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेला जाएगा। वहीं भारत का पहला मैच पाकिस्तान से होगा। इस बार सभी आठ टीमों के बीच 27 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद अंकतालिका में शुरुआती चार टीमों के बीच सेमीफाइनल मैच होंगे और तीन अप्रैल को टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। सभी मैच न्यूजीलैंड के छह शहरों में खेले जाएंगे। दुनिया की आठ सबसे बेहतरीन आठ टीमें बे ओवल, हैमिल्टन, क्राइस्टचर्च, वेलिंगटन, ऑकलैंड और डुनेडिन में कुल 31 मैच खेलेंगी। भारत के सभी मैच दोपहर में शुरू होंगे, लेकिन भारतीय समय के अनुसार सुबह 6.30 मिनट पर आप सभी मैच हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकेंगे। भारतीय टीम पहली बार विश्व चैंपियन बनने के इरादे से टूर्नामेंट में उतरेगी। टीम इंडिया अब तक दो बार फाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन अब तक खिताब नहीं जीत पाई है। 2005 में ऑस्ट्रेलिया और 2017 में इंग्लैंड ने भारत को हराया था। अब तक महिला विश्व कप का आयोजन 11 बार हुआ है। इसमें से सबसे ज्यादा छह बार ऑस्ट्रेलिया और चार बार इंग्लैंड यह टूर्नामेंट जीत चुका है।

बाइडन का ऐलान- तेल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए तीन करोड़ बैरल तेल देगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए उनके प्रशासन ने 30 अन्य देशों के साथ मिलकर अमेरिकी रणनीतिक आरक्षित भंडार (रिजर्व) से करोड़ों बैरल तेल देने का फैसला किया है। बाइडन ने स्टेट ऑफ यूनियन भाषण के बीच में कहा कि उनका प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत कदम उठा रहा है कि रूस की अर्थव्यवस्था को लक्षित कर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों का व्यापक असर हो। उन्होंने संकल्प लिया कि उनका प्रशासन अमेरिकी कारोबार और उपभोक्ताओं की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा।

बाइडन ने कहा, मैं सभी अमेरिकियों के प्रति ईमानदार रहूंगा जैसा कि मैंने हमेशा वादा किया है।रूसी तानाशाह ने दूसरे देश पर हमला किया है और इसका भार पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, आज रात, मैं घोषणा कर सकता हूं कि अमेरिका ने 30 अन्य देशों के साथ दुनिया भर के तेल रिजर्व (आरक्षित भंडार) से छह करोड़ बैरल तेल देने के लिए काम किया है। अमेरिका इस पहल का नेतृत्व करेगा और हम अपने रणनीतिक पेट्रोलियम आरक्षित भंडार से तीन करोड़ बैरल तेल जारी कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो और करेंगे। हम अपने साझेदारों के साथ एकजुट हैं।

पश्चिम को सोवियत संघ का हिस्सा रहे राष्ट्रों में सैन्य केंद्र स्थापित नहीं करने चाहिएः रूस

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मंगलवार को कहा कि पश्चिमी देशों को सोवियत संघ से टूट कर अस्तित्व में आए राष्ट्रों के क्षेत्र में सैन्य केंद्र स्थापित नहीं करने चाहिए जो नाटो के सदस्य नहीं हैं। इससे कुछ दिन पहले रूस ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया है। जिनेवा में हो रहे निरस्त्रीकरण सम्मेलन को वीडियो के माध्यम से संबोधित करते हुए रूस के शीर्ष राजनयिक ने इस बात पर जोर दिया कि मॉस्को का मानना है कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्यों से कानूनी तौर पर बाध्यकारी सुरक्षा गारंटी हासिल करना अहम है। लावरोव ने कहा, ' हमारे पश्चिमी सहयोगियों ने अब तक रूस को दीर्घकालिक कानूनी रूप से बाध्यकारी सुरक्षा गारंटी देने की कोई इच्छा नहीं दिखाई है।हमारे लिए इन उद्देश्यों को प्राप्त करने का मौलिक महत्व है।'सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' की खबर के मुताबिक, लावरोव ने कहा, 'पश्चिमी देशों को सोवियत संघ का हिस्सा रहे राष्ट्रों के क्षेत्र में सैन्य केंद्र स्थापित करने से बचना चाहिए जो गठबंधन के सदस्य नहीं हैं, जिनमें किसी भी तरह की सैन्य गतिविधि करने के लिए उनकी अवसंरचना का इस्तेमाल भी शामिल है।' रूस लंबे समय से यूक्रेन के यूरोपीय संघ और नाटो की ओर बढ़ने का विरोध करता रहा है। अपने संबोधन में रूसी विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका (ऑकस) के बीच त्रिपक्षीय साझेदारी पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि तीन देशों के बीच सैन्य गठबंधन परमाणु हथियार अप्रसार व्यवस्था को प्रभावित करता है, तनाव को भड़काता है और हथियारों की प्रतिस्पर्धा की ओर ले जाता है।

यूक्रेन से बाहर निकलने के लिए पाकिस्तानी और तुर्की छात्रों ने भी ली तिरंगे की मदद, इस तरह पार की चौकियां

बुखारेस्ट। यूक्रेन और रूस के युद्ध हालत दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। जंग की शुरुआत से अब तक ढेरों जान-माल का नुकसान हो चुका है। रूस लगातार यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन सबके बीच हजारों भारतीय नागरिक व छात्र यूक्रेन में फंसे हुए थे, जिन्हें वापस देश लाने के लिए भारत सरकार आपरेशन गंगा अभियान चला रही है।? इस अभियान के तहत हजारों छात्र और नागरिक अपने वतन और अपने परिवारजनों के पास वापिस पहुंचाए जा चुके हैं। यही नहीं देश के तिरंगे ने भी भारतीयों के अलावा पाकिस्तान और तुर्की के लोगों को भी यूक्रेन से निकलने में मदद की।? यूक्रेन से रोमानिया के बुखारेस्ट शहर पहुंचे भारतीय छात्रों ने समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए, बताया कि राष्ट्रीय तिरंगे ने उन्हें और साथ ही कुछ पाकिस्तानी और तुर्की छात्रों को युद्धग्रस्त देश में विभिन्न चौकियों को सुरक्षित रूप से पार करने में मदद की। क्षिणी यूक्रेन के ओडेसा से आए एक मेडिकल छात्र ने कहा, 'हमें यूक्रेन में कहा गया था कि भारतीय होने और भारतीय ध्वज ले जाने से हमें कोई समस्या नहीं होगी।'

बाइडेन की पुतिन को ढुलमुल चेतावनी:कहा- तानाशाहों को हमेशा कीमत चुकानी पड़ती है

अगले ही पल बोले- हमारी सेना यूक्रेन की जंग में शामिल नहीं होगी

वाशिंगटन। यूक्रेन के खिलाफ रूसी हमला बुधवार को सातवें दिन भी जारी है। राजधानी कीव और खार्किव समेत कई प्रमुख शहरों को निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने स् कांग्रेस को संबोधित किया। संबोधन में बाइडेन ने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा की और पुतिन को ढुलमुल चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि तानाशाहों को हमेशा कीमत चुकानी पड़ती है। वहीं अगले ही पल बाइडेन ने साफ कर दिया कि अमेरिकी सेना यूक्रेन की जंग में शामिल नहीं होगी। जो बाइडेन ने यूक्रेन पर रूस के हमले को विश्व शांति के लिए खतरा बताया है। रूस ने बिना किसी उकसावे के यूक्रेन पर हमला किया है। अमेरिका यूक्रेन के साथ है। पुतिन ने गलत कदम उठाया है।

यूरोप को बांटना चाहते हैं पुतिन

बाइडेन ने कहा- पुतिन को लगा था पश्चिमी देश और NATO कोई प्रतिक्रिया नहीं देगा। वो यूरोप को बांटना चाहते थे, लेकिन हम एक साथ हैं और आगे भी साथ रहेंगे। यूक्रेन ने रूस के झूठ का मुकाबला सच्चाई के साथ किया। हमें यूक्रेन के नागरिकों पर गर्व है। अमेरिका की सेना रूस के साथ भिड़ेगी नहीं, लेकिन रूस को मनमानी नहीं करने दी जाएगी।

रूस की आर्थिक व्यवस्था तबाह है। हम रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगा रहे हैं। यूक्रेन को 100 करोड़ डॉलर की मदद देंगे।

रूस ने दुनिया की नींव हिलाने की कोशिश की है। रूस को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। ये जंग लोकतंत्र बनाम तानाशाही की है। तानाशाहों को हमेशा कीमत चुकानी पड़ती है। अब तानाशाह को उसके किए की सजा देना बेहद जरूरी है। रूसी विमानों के लिए अमेरिका का एयरस्पेस बंद कर दिया गया है।

हम NATO की एक-एक इंच जमीन की रक्षा करेंगे।

पुतिन आज इतने अलग थलग पड़े चुके हैं, जितने पहले कभी नहीं थे। आज 27 देश यूक्रेन के साथ हैं। रूसी शेयर बाजार में 40 फीसदी की गिरावट है। यूक्रेनियन साहस के साथ लड़ रहे हैं। पुतिन को युद्ध के मैदान में लाभ हो सकता है, लेकिन उन्हें लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

इस वक्त का जब इतिहास लिखा जाएगा तो उसमें यूक्रेन के खिलाफ छेड़ी गई जंग की वजह से रूस को कमजोर और बाकी दुनिया को ताकतवर बताया जाएगा।

राजधानी कीव के करीब पहुंच रहे 15,000 रूसी सैनिक

खार्कीव के इलाके खंडहर बने, पोलैंड बॉर्डर पर हजारों कार की कतारें

कीव। यूक्रेन में रूसी हमले के 7वें दिन भी हालात जस के तस बने हुए हैं।

रूस की सेना यूक्रेन पर बम बरसा रही है। मंगलवार रात रूसी फोर्सेस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के टीवी टावर पर मिसाइल अटैक किया। जिसमें 5 की मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए। लोगों में खौफ है और वे देश छोड़कर भाग रहे हैं।

15,000 रूसी सैनिकों का 64 किमी लंबा काफिला यूक्रेन की राजधानी कीव के करीब पहुंच रहा है। रूसी हमले की तबाही झेल रहे राजधानी से निकलने के लिए स्टेशन पर हजारों लोग संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, यूक्रेन की सेना ने पुष्टि की है कि रूसी पैराट्रूपर्स खार्कीव शहर में उतरे हैं। इस शहर को पहले ही रूसी सेना ने घेर रखा है। यूक्रेन में हालात बिगड़ते जा रहे हैं, लोगों के पास खाने का सामना खत्म हो रहा है। कई नागरिक इस उम्मीद में हैं कि स्थिति सामान्य होगी। वहीं दुनियाभर में लोग रूस के इस हमले की निंदा कर रहे हैं।

यूक्रेन में रूस का युद्ध रोकने की मांग करने वाले प्रस्ताव पर यूएन महासभा में होगी वोटिंग

संयुक्त राष्ट्र। यूक्रेन में रूसी हमले को तत्काल रोकने और सभी रूसी बलों की वापसी की मांग संबंधी प्रस्ताव पर 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में बुधवार को दोपहर में मतदान किया जाएगा। यूरोप के आर्थिक रूप से समृद्ध देशों से लेकर छोटे प्रशांत द्वीप देश तक कई देशों ने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के आपातकालीन सत्र में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कुछ समर्थक भी हैं, जिनमें क्यूबा और उत्तर कोरिया शामिल हैं।इसके अलावा सूरीनाम और दक्षिण अफ्रीका जैसे कुछ देशों ने मसौदा प्रस्ताव पर कोई रुख नहीं अपनाया है और संकट के स्थायी समाधान के लिए समझौते एवं कूटनीति का मार्ग अपनाने की अपील की है। सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के विपरीत, महासभा के प्रस्ताव का पालन करना कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है, लेकिन इससे अंतरराष्ट्रीय रुख का पता चलता है। मंगलवार रात तक प्रस्ताव के 94 सह प्रायोजक थे। इनमें अफगानिस्तान और म्यांमा जैसे कई देशों का शामिल होना संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों के लिए हैरानी की बात है।

जंग का विरोध मंजूर नहीं: पुतिन के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले बच्चे गिरफ्तार, अब तक 7000 लोग हिरासत में

मॉस्को। यूक्रेन से जंग कर रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को घर में विरोध का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उन्हें यह खिलाफत मंजूर नहीं है। जंग के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले स्कूली बच्चों को भी पुतिन प्रशासन ने कथित तौर पर गिरफ्तार कर लिया है। ओवीडी इंफो की रिपोर्ट के अनुसार रूस के 50 शहरों में युद्ध विरोधी प्रदर्शनों के आरोप में 7000 लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं।

मॉस्को में मौजूद विपक्षी नेताओं ने स्कूली बच्चों को पुलिस वैन में बैठाकर ले जाने व थाने में रखने की तस्वीरें जारी की हैं। इन बच्चों का कसूर यह है कि इन्होंने जंग के खिलाफ पोस्टर बैनर लहराए थे। इन्हें उग्रवाद व देशद्रोह के आरोप में जेल भेजा जा सकता है। रूस में सरकार या जंग विरोधी प्रदर्शन करने पर देशद्रोह की धाराओं में केस दर्ज करने का प्रावधान है।

रूसी नेताओं द्वारा जारी एक अन्य फोटो में पुलिस वैन के पिछले हिस्से में तीन बच्चे बैठे हैं। इनके हाथ में 'नो वॉर' की तख्तियां व फूल हैं। ये फूल लेकर ये बच्चे मॉस्को स्थित रूसी दूतावास गए थे। एक लड़की के हाथ में तख्ती थी, जिसमें रूसी भाषा में लिखा था 'नो वॉर'। उसके आसपास रूस व यूक्रेन का झंडा बनाया गया था।

रूस में विरोध प्रदर्शनों पर नजर रख रहे संगठन ओवीडी इंफो के अनुसार अब तक 50 शहरों में 7000 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। दोनों पड़ोसी व पूर्व मित्र देशों को आज दुनिया एक दूसरे से जंग करते देख हैरान व स्तब्ध है। न तो रूस की

जनता जंग चाहती है और न ही यूक्रेन की। सत्ताधारी नेताओं के अहंकार का खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ रहा है। जंग सातवें दिन भी जारी है और इसके थमने के कुछ संकेत नहीं दिख रहे हैं। रूस लगातार बमबारी कर रहा है। जंग का यूक्रेन को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यूक्रेन ने रूस को भी बड़ा नुकसान पहुंचाने का दावा किया है।

पुतिन का समर्थन करने वाला पहला प्रमुख देश बना पाकिस्तान, आर्थिक हितों के नाम पर किया समझौता

इस्लामाबाद। एक खबर जो बीते कई दिनों तक सुर्खियों में रही कि यूक्रेन संकट के बीच पाकिस्तान के कप्तान इमरान खान के रूस दौरे की आखिर वजह क्या है? लेकिन अब इस बात का खुलासा हो गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने रूस दौरे में एक नया व्यापार सौदा किया है।

ऐसे वक्त में जब यूक्रेन के खिलाफ रूस ने जंग छेड़ रखी है और दुनिया के अन्य देश मॉस्को के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में मोर्चा खोला हुआ है। ऐसे मौके पर पाकिस्तान रूस का समर्थन करने वाला पहला प्रमुख देश बन गया है। पाकिस्तान रूस का साथ देता हुआ नजर आ रहा है और वो उसे 20 लाख टन गेंहू की आयात करेगा। इमरान की मॉस्को यात्रा के बारे में दावा किया गया है कि पाकिस्तान रूस से 20 लाख टन गेंहू आयात करने के साथ ही प्राकृतिक गैस को लेकर भी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के अपने गैस का रिजर्व कम हो रहा है और इसके साथ ही पाकिस्तान की तरफ से कहा गया है कि समय बताएगा कि हमने बहुत चर्चा की है। गौरतलब है कि इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का एक वीडियो क्लिप खूब वायरल हुआ था जिसमें वो रूसी अधिकारी को ये कहते हुए नजर आ रहे थए कि मैं कितने अच्छे वक्त पर आया हूं, ये कितना मजेदार है। अपने इस दौरे पर इमरान ने पुतिन के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने और ऊर्जा सेक्टर में सहयोग बढ़ाने के लिए बातचीत की थी।

चीनी विदेश मंत्री बोले- यूक्रेन में नागरिकों को हो रहे नुकसान को लेकर हम बेहद चिंतित

बीजिंग। दो मार्च चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने यूक्रेन के अपने समकक्ष दिमित्रो कुलेबा से कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच बढ़ते संघर्ष को देखकर चीन बेहद दुखी है और वहां लोगों को हो रहे नुकसान को लेकर बेहद चिंतित है। चीन ने रूस और यूक्रेन से बातचीत के जरिए मसले हल करने का एक बार फिर आग्रह किया।

रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद बढ़ते तनाव के बीच दोनों मंत्रियों ने पहली बार फोन पर बात नागरिकों को हो रहे नुकसान से बेहद चिंतित'हैं।वांग ने

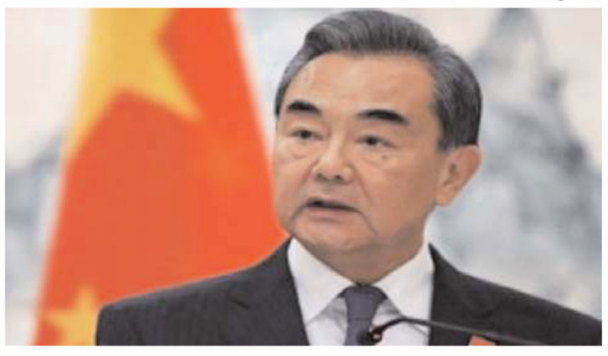

नागरिकों को हो रहे नुकसान को लेकर चिंता व्यक्त की, हालांकि वह रूस पर कोई आरोप ना लगाने को लेकर भी सतर्क रहे। गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ विशेष सैन्य अभियान शुरू किया है। चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चीन, यूक्रेन और रूस के बीच बढ़ते संघर्ष को देखकर बहुत दुखी है और नागरिकों को हुए नुकसान के बारे में अत्यधिक चिंतित है। चीन, रूस का करीबी सहयोगी है और ऐसे में नागरिकों को लेकर अपनी चिताएं व्यक्त करके और रूस के सैन्य हमले की निंदा ना करके वह मामले पर तटस्थ रुख अपना रहा है।

चीन के रुख को रेखांकित करते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा था कि रूस की वैध सुरक्षा मांगों'' को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और यूक्रेन संकट को हल करने के वास्ते एक राजनीतिक समाधान पर उचित तरीके से विचार किया जाना चाहिए।

रूस की सैन्य कार्रवाई की आलोचना करने से इनकार करते हुए वांग वेनबिन ने ऐसा राजनीतिक समझौता करने का आह्वान किया, जो दोनों पक्षों की वैध सुरक्षा चिंताओं को दूर करे और यूरोप में साझा सुरक्षा प्राप्त करता हो तथा यूरोप की स्थायी शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देता हो।

यूक्रेन में हुई भारतीय छात्र की मौत की जांच करेगा रूस, यूएन में भारत के कदम पर जताया आभार

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा हुआ है। इसी बीच यूक्रेन से भारतीयों को निकालने के लिए भारत सरकार अपनी पूरी कोशिश कर रही है। लेकिन यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में हुए रूसी हमले का दर्द भारत को बहुत ज्यादा हुआ है क्योंकि एक भारतीय छात्र मारा गया है। इस मामले को लेकर रूस का बयान भी सामने आया है। रूस के एक दूत ने दावा किया कि खारकीव में मारे गए भारतीय छात्र के मामले की जांच की जाएगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने बताया कि हम खारकीव और पूर्वी यूक्रेन के अन्य क्षेत्रों में फंसे भारतीयों के लिए भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। हमें रूस के क्षेत्र के माध्यम से वहां फंसे सभी लोगों को आपातकालीन निकासी के

लिए भारत के अनुरोध प्राप्त हुए हैं।उन्होंने कहा कि हम भारत के साथ रणनीतिक सहयोगी हैं। संयुक्त राष्ट्र में प्रदर्शित संतुलित स्थिति के लिए हम भारत के आभारी हैं। भारत इस संकट की गहराई को समझता है।

कर्नाटक के छात्र की हुई मौत-आपको बता दें कि यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे नवीन कुमार की मौत हो गई। नवीन कुमार कर्नाटक के रहने वाले थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने ट्वीट में लिखा था कि यूक्रेन के खरकीव में हुए भीषण हमले में एक भारतीय स्टूडेंट की मौत हो गई है। मंत्रालय भारतीय छात्र के परिवार के संपर्क में है। हम परिवार से अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

इस मामले को लेकर रूस का बयान भी सामने आया है। रूस के एक दूत ने दावा किया कि खारकीव में मारे गए भारतीय छात्र के मामले की जांच की जाएगी।

बाइडन ने जिनपिंग से कहा- अमेरिकियों के खिलाफ दांव लगाना कभी ठीक नहीं होगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग से कहा कि अमेरिकी लोगों के खिलाफ दांव लगाना कभी ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि अधिक हठी और सत्तावादी चीन का दीर्घकालिक मुकाबला करने का सबसे प्रभावी अमेरिकी तरीका अपने लोगों, अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र पर निवेश है। बाइडन ने अपने पहले 'स्टेट ऑफ द यूनियन' (संसद में राष्ट्रपति का वार्षिक संबोधन) संबोधन में मंगलवार रात को कहा, मैंने शी चिनफिंग को कह दिया कि अमेरिकी लोगों के खिलाफ दांव लगाना कभी ठीक नहीं होगा। हम लाखों अमेरिकियों के लिए अच्छे रोजगार सृजित करेंगे, सड़कों, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और जलमार्गों का आधुनिकीकरण करेंगे।बाइडन ने कहा कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग के लिए देश में पांच लाख चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाया जाएगा, हर बच्चे और हर अमेरिकी को घर में साफ पानी की आपूर्ति करने के लिए जहरीले सीसे (लीड)से बनी पाइपों को बदलने की शुरुआत कर जाएगी और हर अमेरिकी चाहे वह शहरी, अर्धशहरी, ग्रामीण या आदिवासी समुदाय का है उसे वहनीय कीमत पर उच्च गति की इंटरनेट सुविधा मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने कहा, चार हजार परियोजनाओं की पहले ही घोषणा की जा चुकी है। बाइडन ने घोषणा की कि इस साल अमेरिका 65 हजार मील लंबे राजमार्गों और 1,500 सेतु की मरम्मत करेगा। राष्ट्रपति ने कहा, जब हम करदाताओं के धन का इस्तेमाल अमेरिका के पुनर्निर्माण के लिए कर रहे हैं तो हम अमेरिकी से, अमेरिकी उत्पाद खरीदने जा रहे हैं ताकि अमेरिकी नौकरियों को समर्थन मिले।

बाइडन ने इस दशक को अवसंरचना दशक घोषित करते हुए कहा कि यह अमेरिका को बदलने और देश 21 सदी में दुनिया से जिस तरह आर्थिक प्रतियोगिता का सामना कर रहा है, खासतौर पर चीन से उसे जीतने के लिए हमें सही दिशा देगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506